प्रियंका चौपड़ा
पढ़े पेज-5

सच इंडिया नेटवर्क

सच के साथ, देश की आवाज

PRGI पंजीकरण नंबरः RJHIN/26/A6132

Website: www.sachindianetwork.com

Email : sachindianetwork@gmail.com

उत्तर प्रदेश में नए सियासी
पढ़े पेज-2

वर्ष : 1 अंक : 1 | मासिक हिंदी समाचार पत्र | संपादक : गोपाल नायक | टोंक, शनिवार 01 अगस्त, 2026 | मूल्य : 5/- रुपए प्रति | कुल पृष्ठ : 8

पेपर लीक रोकने का कानून लोकसभा में पास

राष्ट्रगीत को कानूनी संरक्षण : राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक पास, 'वंदे मातरम' का अनादर करने पर 3 साल तक की सजा

- राज्यसभा में वंदेमातरम से जुड़ा संशोधित बिल पास
- छात्रों पर कार्रवाई का मुद्दा: राहुल गांधी ने गृह मंत्री पर पैलेट गन और गोली चलाने की अनुमति देने के गंभीर आरोप लगाए
- सदन में गर्माया माहौल: राहुल गांधी द्वारा 'इडियट' शब्द के प्रयोग पर राजनाथ सिंह और स्पीकर ने जताई आपत्ति

'एजेंसी। नई दिल्ली

लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।

प्रियंका गांधी ने कहा, शिक्षा मंत्री पर मैंने सच कहा

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'मैंने सिर्फ सच कहा है। मैंने ऐसा क्या कह दिया जो असंसदीय था। अगर वे सच बोलने के लिए मुझे सजा देना चाहते हैं, तो उन्हें पूरी आजादी है। मैं सच बोलना जारी रखूंगी।' दरअसल मंगलवार को लोकसभा में प्रियंका बोलीं ने कहा था कि नए शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गर्भवती महिला के बलात्कारियों की रिहाई पर सहमति व्यक्त की थी। इसके बाद भाजपा ने कहा था कि वे सबूत पेश करें। 15 अगस्त 2022 को गुजरात सरकार ने बिलकिस बानो केस के 11 दोषियों को समय से पहले रिहा किया था। इस पर प्रह्लाद जोशी ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा था, 'इसमें कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि यह कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ है।' हालांकि, जनवरी 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने इस रिहाई को रद्द करते हुए सभी 11 दोषियों को फिर से जेल भेजने का आदेश दिया। प्रियंका ने कहा- हमने मंगलूरु के एक पब में लड़कियों के साथ मारपीट की घटना भी देखी है। इस मामले में शामिल व्यक्ति को शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने भाजपा में शामिल कराया था।

हमारी शिक्षा व्यवस्था पहले ही क्रूर है: राहुल गांधी

इससे पहले विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि कई लोगों को लगता है कि छात्रों को पेपर लीक की वजह से गुस्सा आया है। हमारी शिक्षा व्यवस्था पहले ही क्रूर है। लाखों रुपये गरीबों से लिए जाते हैं। हर चीज प्राइवेटाइज है। पेपर लीक, एक परीक्षा में कुछ होता है, दूसरे में कुछ। एक में रिएग्जाम होता है, दूसरे में नहीं होता है। यह एक बेहद खराब व्यवस्था है। यह सिस्टम और इसकी आत्मा को कब्जे में कर लिया गया है। इसे आरएसएस ने कब्जे में किया है। राहुल ने आगे कहा- राजनाथ सिंह जी ने कहा कि हम यूपीए नहीं है, हमारे मंत्री कभी इस्तीफा नहीं देते। वो सही कह रहे हैं। यहां जो हुआ, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, उससे कुछ हासिल नहीं हुआ, क्योंकि धर्मेंद्र प्रधान कभी नहीं चलाते। उसे आरएसएस चलाता है। मंत्री के दफ्तर में बैठा एक ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी)। छात्रों को कुछ बोलने नहीं दिया जाता। उन्हें अपने मन की चीज फॉलो नहीं करने दी जाती।

राहुल ने कहा, छात्रों पर शूटिंग की इजाजत दी गई

राहुल ने कहा,गृह मंत्री ने छात्रों पर शूटिंग की इजाजत दी। पैलेट गन चलाने का आदेश दिया। छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया।
रिजिजू- आप बिना सोचे समझे बोल रहे हैं। ऐसा मत बोलिए। आपको गंभीरता से बोलना चाहिए। ये ठीक नहीं है। ये किस आधार पर आपने बयान दिया। आपको किसने बताया। आप माफी मांगिए। गोली चली, ये छोटी बात नहीं है। ऐसा कैसे कह सकते हैं कि किसी ने गोली चलाई। ये गंभीर आरोप है। विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू की 'राहुल गांधी को बोलने दो, राहुल गांधी को बोलने दो।'
अखिलेश यादव- अगर नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो ये सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि छात्रों पर ऐसा व्यवहार किसने किया ये जांच करे।
रिजिजू- आप जांच की मांग करिए, लेकिन राहुल गांधी सीधे-सीधे गृह मंत्री पर आरोप लगा रहे हैं। आपको माफी मांगना होगा। झूठा आरोप लगाया है। ▸

वंदे मातरम के अपमान पर अब 3 साल तक की जेल

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही गुरुवार 30 जुलाई सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच पेपर लीक से जुड़ा संशोधन बिल पास हो गया। राज्यसभा में वंदे मातरम् के अपमान को दंडनीय अपराध बनाने वाला विधेयक पारित कर दिया।

शाह ने फायरिंग का आदेश नहीं दिया तो सदन में आएं

लोकसभा में अपने भाषण के बाद राहुल गांधी ने संसद परिसर में कहा- गृह मंत्री शाह सदन में नहीं आए, जबकि उन्हें छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई पर जवाब देना चाहिए था। राहुल ने कहा- अगर गृह मंत्री ने कोई आदेश नहीं दिया है, तो उन्हें सदन में आकर साफ देनी चाहिए कि उन्होंने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया। सबसे बड़ी बात यह है कि मुझे संसद में बोलने का अधिकार है और वह अधिकार मुझे मिलना चाहिए।

राहुल ने कहा, सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता

राहुल के इडियट शब्द पर सदन में हंगामा हुआ तो उन्होंने कहा, यह असंसदीय तब है जब मैं किसी दूसरे सदस्य के लिए इसका प्रयोग करता। अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं। मैं बोलता हूं रिजिजू खड़े हो जाते हैं। मैं बोलता हूं, वे टोक देते हैं। ये फिर आ गए। स्पीकर ने कहा, सदन में अच्छी मर्यादा बनाने की कोशिश करनी चाहिए। जो तर्क से बोलता है, देश उसकी सुनता है और सम्मान भी करता है। राजनाथ सिंह ने कहा, जिस शब्द का इस्तेमाल नेता प्रतिपक्ष ने किया है उसे हटा दिया जाए। उनकी बात को शांति से सुना जाए।

लोकसभा में असंसदीय शब्दों का नियम क्या है

स्पीकर बिरला ने राहुल के कहे 'इडियट' शब्द को असंसदीय बताकर सदन की कार्रवाई से हटाने को कहा है। लोकसभा के नियम 380 में असंसदीय शब्दों का प्रावधान है। इसके तहत यदि स्पीकर को लगता है कि किसी सदस्य द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द या टिप्पणी मानहानिकारक, अशोभनीय, असंसदीय या सदन की गरिमा के प्रतिकूल है, तो वे उसे सदन की कार्यवाही से हटाने का आदेश दे सकते हैं। नियम 381 के अनुसार, कार्यवाही से हटाए गए शब्द या टिप्पणी को रिकॉर्ड में तारांकन के साथ दिखाया जाता है और उसके नीचे E&punged as ordered by the Chair लिखा जाता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि लोकसभा में असंसदीय शब्दों की कोई तय सूची नहीं है। किसी शब्द को असंसदीय माना जाएगा या नहीं, इसका फैसला स्पीकर उस शब्द के संदर्भ और परिस्थितियों को देखते हुए करते हैं।

जितेंद्र सिंह बोले, गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री नहीं देते

राहुल जी ने कहा कि शाह के साथ 30 गाड़ियों का काफिला था। इन्हें ये नहीं पता कि गृह मंत्री के साथ 30 गाड़ियां नहीं चलतीं और शाह विदेश नहीं गए हैं। तथ्यों के बिना गैरजिम्मेदारी से सदन में ये बातें कहना और फिर निकल जाना ये किसी नेता प्रतिपक्ष का व्यवहार हो ही नहीं सकता। 21 जुलाई को नेता प्रतिपक्ष पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। इनकी हसरत है कि देश इनको पीएम बनाए। लेकिन इनका सपना पूरा नहीं हुआ तो ये पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। जब इन्हें समझाया गया निवेदन किया कि आप यहां से हट जाइए। तो इन्होंने कहा कि मुझे उठा लिया गया। शुरू में ये प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए क्योंकि इन्हें लगा ये आम आदमी पार्टी का आंदोलन है।

उत्तराखंड में भारी बारिश, चार धाम यात्रा रुकी

- छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 5 की मौत, राजस्थान में बाजारों में पानी भरा

एजेंसी। नई दिल्ली

देशभर में तेज बारिश का दौर जारी है। उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के बाद चार धाम यात्रा 2 दिन के लिए रोक दी गई है। चंपावत, बागेश्वर और टिहरी में 12वीं तक के स्कूल-आंगनवाड़ी में छुट्टी कर दी गई है। राजस्थान के धौलपुर में तेज बारिश से बाजारों में पानी भर गया। गुजरात में भारी बारिश और बाढ़ से टाटा मोटर्स के साणंद प्लांट और आसपास मौजूद कई सप्लायर की यूनिट बंद करानी पड़ीं। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने की तीन घटनाओं में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 लोग घायल हुए हैं। राज्य में अगले दो दिन भारी बारिश की चेतावनी है। देश के ऊपर दो सिस्टम मौजूद हैं। बंगाल की खाड़ी में बना कम दबाव का क्षेत्र ओडिशा, झारखंड और छत्तीसगढ़ होते हुए आगे बढ़ रहा है। आईएमडी ने 4-5 दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में सामान्य से ज्यादा और पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है। दिल्ली में मंगलवार को 50 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 4 मानसूनी सिस्टम ने ये बारिश कराई। इसके चलते मेट्रो स्टेशन और कई सड़कों पर पानी भर गया, 36 पेड़ गिर गए। वाटरलॉगिंग की 136 शिकायतें दर्ज की गईं।

उत्तराखंड के मसूरी में भारी बारिश से बिल्डिंग ढही

उत्तराखंड के मसूरी के स्प्रिंग रोड इलाके में भारी बारिश के बाद एक घर पर दो पेड़ और दीवार का हिस्सा गिर गया। इससे घर की छत टूट गई और मलबा घर के अंदर पहुंच गया। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में लगातार चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदियां उफान पर हैं, पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा है और कई पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हो गई हैं।

हिमाचल के नाहन मेंस्कूल-कॉलेज बंद, भारी बारिश का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले के नाहन सब-डिवीजन में गुरुवार को भारी बारिश के ऑरेंज अलर्ट के चलते सभी सरकारी-निजी स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। हालांकि पहले से तय परीक्षाएं अपने निर्धारित समय पर होंगी। मौसम विभाग ने क्षेत्र में भारी बारिश, गरज-चमक, बिजली गिरने, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। प्रशासन ने छात्रों की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया है और सभी शिक्षण संस्थानों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए हैं।

हिमाचल प्रदेश: दो दिन भारी बारिश का अलर्ट

हिमाचल प्रदेश में अगले दो दिन भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने सिरमौर के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि चंबा, कुल्लू, सोलन और कांगड़ा समेत कई जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। लोगों को नदी-नालों और लैंडस्लाइड संभावित इलाकों से दूर रहने की सलाह दी गई है। प्रदेश में मानसून अगले छह दिन सक्रिय रहने की संभावना है। अब तक राज्य में सामान्य से 6% कम बारिश दर्ज की गई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 30 जुलाई को भी कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

असम: बाढ़ में मरने वालों की संख्या 75 हुई, 7 जिले प्रभावित

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 75 हो गई है। राज्य के 7 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 3.32 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं और 45 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल पानी में डूबी हुई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बाढ़ में जान गंवाने वालों के परिवारों को 9 लाख रुपए की सहायता देने का ऐलान किया है। इसके अलावा विस्थापित परिवारों को 15 हजार रुपए, छात्रों को 1,000 से 5,000 रुपए की बुक ग्रांट और खोए हुए शैक्षणिक दस्तावेज मुफ्त में दोबारा जारी किए जाएंगे।

अगले 2 दिन के मौसम का हाल

- 30 जुलाई: जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल, मध्य प्रदेश, गुजरात रीजन, पूर्वी राजस्थान, मध्य महाराष्ट्र, कर्नाटक में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। विदर्भ में रेड अलर्ट है। अरुणाचल, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, छत्तीसगढ़, कोंकण-गोवा में भारी बारिश का यलो अलर्ट है।
- 31 जुलाई: गुजरात रीजन में बारिश का रेड अलर्ट है। पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, कर्नाटक में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल, पश्चिमी राजस्थान, बिहार, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश, विदर्भ बारिश का यलो अलर्ट है।

प्रदेश के गांवों में भी खोले जाएंगे आधार सेवा केंद्र, पहले चरण में छह जिलों की पंचायतों में मिलेगी सुविधा

लखनऊ

आधार कार्ड बनवाने या उसमें नाम, पता, मोबाइल नंबर और बायोमेट्रिक अपडेट कराने के लिए अब ग्रामीणों को शहर नहीं जाना पड़ेगा। प्रदेश सरकार ने ग्राम पंचायतों को डिजिटल सेवा केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में पहले चरण में छह जिलों की 110 ग्राम पंचायतों में आधार नामांकन और अपडेट सेवाएं शुरू कर दी हैं। इन केंद्रों के माध्यम से अब तक 75 हजार से अधिक आधार संबंधी सेवाएं प्रदान की जा चुकी हैं। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने बताया कि प्रदेश की सभी 57694 ग्राम पंचायतों में चरणबद्ध तरीके से आधार केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है। पहले चरण में 5,000 ग्राम पंचायतों को योजना से जोड़ा जा रहा है। फिलहाल लखनऊ, अयोध्या, बाराबंकी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और बलरामपुर की 110 ग्राम पंचायतों में यह सुविधा शुरू हो चुकी है। योजना को गति देने के लिए पंचायत सहायकों को आधार ऑपरेटर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अब तक 1,200 से अधिक पंचायत सहायकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

संपादकीय

सच के साथ, देश की आवाज़

प्रिय पाठकों,

अत्यंत हर्ष, गर्व और आत्मीयता के साथ "सच इंडिया नेटवर्क" का प्रथम अंक आपके हाथों में सौंपते हुए हम पत्रकारिता के एक नए संकल्प की शुरुआत कर रहे हैं। यह केवल एक समाचार पत्र का प्रकाशन नहीं, बल्कि सत्य, निष्पक्षता और जनसेवा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सार्वजनिक वचन है।

आज जब सूचना का प्रवाह अत्यंत तीव्र है, तब सत्य और असत्य के बीच का अंतर समझना पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। ऐसे समय में पत्रकारिता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वह बिना किसी दबाव, भय, पक्षपात या स्वार्थ के समाज के सामने तथ्य प्रस्तुत करे। "सच इंडिया नेटवर्क" इसी उद्देश्य को अपना धर्म मानकर आगे बढ़ेगा। हमारा विश्वास है कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जागरूक नागरिक और स्वतंत्र पत्रकारिता में निहित है। इसलिए हमारा प्रत्येक प्रयास जनहित, राष्ट्रहित और सामाजिक सरोकारों को समर्पित रहेगा। हम सत्ता और विपक्ष दोनों से समान दूरी रखते हुए केवल सत्य का पक्ष लेंगे, क्योंकि हमारी निष्ठा किसी व्यक्ति, दल या विचारधारा से नहीं, बल्कि देश और संविधान के लोकतांत्रिक मूल्यों से है।

हम ग्रामीण भारत की समस्याओं, किसानों की आवाज़, युवाओं के सपनों, महिलाओं के सम्मान, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पर्यावरण, प्रशासनिक जवाबदेही और समाज के प्रत्येक वर्ग से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता देंगे। हमारा प्रयास रहेगा कि हर समाचार तथ्यपरक, प्रमाणिक और जनहितकारी हो।

"सच इंडिया नेटवर्क" केवल खबरें प्रकाशित करने का माध्यम नहीं होगा, बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन, जन-जागरूकता और रचनात्मक संवाद का सशक्त मंच बनेगा। हम नकारात्मकता नहीं, बल्कि समाधान आधारित पत्रकारिता को बढ़ावा देंगे। जहाँ आवश्यकता होगी वहाँ व्यवस्था से सवाल भी पूछेंगे और जहाँ अच्छा कार्य होगा वहाँ उसका सम्मान भी करेंगे।

यह समाचार पत्र आपके विश्वास, सहयोग और सुझावों से ही आगे बढ़ेगा। हम अपने प्रत्येक पाठक को इस परिवार का अभिन्न सदस्य मानते हैं। आपकी प्रतिक्रिया, सुझाव और मार्गदर्शन हमें निरंतर बेहतर बनने की प्रेरणा देंगे।

प्रथम अंक के इस शुभ अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, शुभचिंतकों, सहयोगियों, विज्ञापनदाताओं तथा उन सभी व्यक्तियों का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके विश्वास और सहयोग से यह सपना साकार हुआ है।

आइए, हम सब मिलकर एक ऐसी पत्रकारिता का निर्माण करें जो निर्भीक हो, निष्पक्ष हो, जिम्मेदार हो और सबसे बढ़कर—सत्य के प्रति समर्पित हो।

आपका विश्वास हमारी पूंजी है,
और सत्य हमारी पहचान।

सादर,
गोपाल नायक, प्रधान संपादक
सच इंडिया नेटवर्क,
"सच के साथ, देश की आवाज़"

'भदोही फिर से कहा जाएगा संत रविदास नगर', योगी ने काशी से किया एलान

वाराणसी

संत शिरोमणि गुरु रविदास के 650वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास जन्मस्थली पर बुधवार को आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। सीएम ने 'समरसता संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया। वहीं, पहले प्रस्तावित भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का दौरा अब बिहार उपचुनाव की व्यस्तताओं के चलते निरस्त कर दिया गया है। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं और प्रशासन के साथ भाजपा संगठन ने भी सभी व्यवस्थाएं अंतिम रूप दे दिया था। सीर गोवर्धन स्थित संत रविदास जन्मस्थली मंदिर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को पहुंचे। उन्होंने संत रविदास को श्रद्धांजलि अर्पित कर दर्शन-पूजन किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया और संत रविदास के सामाजिक समरसता व समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत गुरु रविदास ने समरसता, समानता और मानवता का जो संदेश दिया, वह आज भी पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उनके विचार सामाजिक भेदभाव को समाप्त कर राष्ट्र निर्माण की दिशा दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास की शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है, ताकि समाज में सद्भाव और एकता और मजबूत हो सके। लाल सिंह आर्य ने संत रविदास की प्रसिद्ध वाणी 'एकै माटी के सभ भांडे' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समस्त मानवता की एकता और समानता का प्रतीक है। यह संदेश समाज को जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होने और मानवता को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा देता है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि संत गुरु रविदास की जन्मस्थली की पावन मिट्टी का विधिवत पूजन कर उसे 131 कलशों में संग्रहित किया गया है। यह पवित्र मिट्टी देशभर के 20 हजार से अधिक स्थानों तक पहुंचाई जाएगी, ताकि संत रविदास के विचारों और संदेशों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। उन्होंने कहा कि संत रविदास की सामाजिक समरसता, समानता और मानव कल्याण की विचारधारा आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को उनके आदर्शों से जोड़ना और उनके संदेशों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

भदोही का नाम फिर से संत रविदास नगर

संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने संत रविदास के विचारों को सामाजिक समरसता, समानता और राष्ट्र निर्माण का आधार बताते हुए उनके संदेश को देशभर में पहुंचाने का संकल्प दोहराया। नेताओं ने कहा कि संत रविदास की शिक्षाएं आज भी समाज को एकजुट करने और भेदभाव मिटाने की प्रेरणा देती हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत गुरु रविदास की तपोभूमि और कर्मभूमि से जुड़ी ऐतिहासिक पहचान को सम्मान देते हुए भदोही जनपद का नाम फिर से संत रविदास नगर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि संत रविदास के आदर्श सामाजिक समरसता, समानता और मानवता के मार्गदर्शक हैं। प्रदेश सरकार उनकी विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अखिलेश यादव पर किया तंज

भाजपा अनुसूचित मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लाल सिंह आर्य ने कहा कि संत गुरु रविदास ऐसे दौर में प्रकट हुए थे, जब भारतीय समाज सामाजिक विषमताओं, भेदभाव और अनेक कुरीतियों से जूझ रहा था। उन्होंने अपने आदर्श जीवन और वाणी के माध्यम से समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि संत रविदास का स्पष्ट संदेश था कि व्यक्ति की पहचान उसके जन्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म, गुण और चरित्र से होती है।

'रविदास जी सबके हैं और हम सब रविदास जी के हैं

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में, 'रविदास जी सबके हैं और हम सब रविदास जी के हैं।' उन्होंने कहा कि संत रविदास ने समाज को समानता और सामाजिक परिवर्तन का संदेश दिया, जबकि कुछ राजनीतिक दल केवल जाति आधारित राजनीति करते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा संतों के आदर्शों और संस्कारों से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है। पंकज चौधरी ने कहा कि संत रविदास को जो सम्मान आज मिल रहा है, वह स्वतंत्रता के बाद ही मिल जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार संत रविदास के जीवन, विचारों और समाज सुधार के कार्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के साथ-साथ संतों और महापुरुषों की विरासत के संरक्षण के लिए लगातार प्रयास कर रही है।

सम्पादकीय

अराजकता का बचाव

कॉकरोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग की जांच करने की जरूरत जताई, वहीं नाबालिग छात्रों और ऐसे अन्य लोगों को राहत देने का भी निर्देश जारी किया, जिनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि न हो। उसने यह जो स्पष्ट किया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को किसी तरह की राहत नहीं दी जा सकती, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को भी माफी देने की मांग कर रहे थे।

यदि इस आवश्यकता की पूर्ति नहीं होती तो उन तत्वों को बल ही मिलता, जो आंदोलन के दौरान अराजकता का सहारा लेने के आदी हो गए हैं। संविधान शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन की अनुमति देता है, न कि अराजक आंदोलन को। सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा इसीलिए हुई, क्योंकि उसके समर्थकों की भीड़ में कुछ ऐसे तत्व भी थे, जिन्होंने पुलिस पर पथराव किया और जो बैरिकेडिंग तोड़कर बिना अनुमति संसद भवन की ओर जाने को आमादा थे। इसी कारण पुलिस बल प्रयोग को बाध्य हुई। जैसे पुलिस की आवश्यकता से अधिक सख्ती स्वीकार्य नहीं हो सकती, वैसे ही भीड़ की अराजकता भी। यदि भीड़ अराजकता नहीं दिखाती तो पुलिस को बल प्रयोग की जरूरत ही क्यों पड़ती? यह खतरनाक है कि सीजेपी के लोगों को सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश रास नहीं आया कि आपराधिक अतीत वाले उन तत्वों को राहत नहीं मिलेगी, जिन्होंने हिंसा फैलाने के साथ पुलिस पर हमला किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनकी आपत्ति उनके इस दावे की पोल खोलती है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के पक्षधर हैं। आखिर कोई अराजक तत्वों का बचाव कर शांतिपूर्ण आंदोलन कैसे कर सकता है? अपने संसद मार्च में हिंसा पर सीजेपी प्रवक्ताओं का कहना था कि उनके समर्थकों में कुछ अराजक तत्व घुस आए थे। अब यदि इन तत्वों को दंड का भागीदार बनाने की बात हो रही है तो सीजेपी को कष्ट क्यों हो रहा है? क्या वे उनसे मिले हुए हैं? क्या वे इससे अनजान हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं? आखिर ये पुलिसकर्मी कैसे चोटिल हो गए? सीजेपी के समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्व भी शामिल थे, इसकी पुष्टि इससे होती है कि दिल्ली पुलिस ने फेस रिकग्निशन सिस्टम के जरिये यह पाया कि संसद मार्च के समय जंतर-मंतर और आसपास 2,873 ऐसे लोग थे, जिनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है।

उत्तर प्रदेश में नए सियासी समीकरणों की आहट और कांग्रेस की परीक्षा

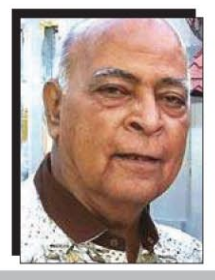

अशोक भाटिया

राजनीतिक गलियारों में इस समय सबसे बड़ी चर्चा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बीच संभावित नजदीकियों को लेकर है। हैदराबाद से चलकर हिंदी पट्टी, विशेषकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश, में अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे ओवैसी ने जिस तरह से अखिलेश यादव को गठबंधन का खुला प्रस्ताव दिया है, उसने राज्य के पुराने चुनावी गणित को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है।

उत्तर प्रदेश की राजनीति ने एक बार फिर करवट लेनी शुरू कर दी है। राजनीतिक गलियारों में इस समय सबसे बड़ी चर्चा ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के बीच संभावित नजदीकियों को लेकर है। हैदराबाद से चलकर हिंदी पट्टी, विशेषकर देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश, में अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रहे ओवैसी ने जिस तरह से अखिलेश यादव को गठबंधन का खुला प्रस्ताव दिया है, उसने राज्य के पुराने चुनावी गणित को पूरी तरह हिलाकर रख दिया है। मुरादाबाद की रैली में ओवैसी का यह कहना कि 'भाजपा को रोकने के लिए हम समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाने को तैयार हैं, बशर्ते हमें हमारा वाजिब हक मिले,' केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है। यह उत्तर प्रदेश के मुस्लिम मतदाताओं के भीतर सुलग रही राजनीतिक आकांक्षाओं और असुरक्षा की भावना को एक नया मंच देने का प्रयास है।

इस पूरे घटनाक्रम ने जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी को ध्रुवीकरण की राजनीति को नए सिरे से धार देने का मौका दे दिया है, वहीं दूसरी तरफ 'इंडिया' गठबंधन के भीतर एक बड़ा रणनीतिक संकट खड़ा कर दिया है। इस संकट के केंद्र में सबसे अधिक कोई पार्टी प्रभावित दिख रही है, तो वह कांग्रेस है। पिछले कुछ चुनावों से उत्तर प्रदेश में अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए संघर्ष कर रही कांग्रेस के लिए सपा और ओवैसी के बीच बढ़ती यह नजदीकी एक गहरी असमंजस की स्थिति लेकर आई है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या अखिलेश यादव ओवैसी का हाथ थामेंगे? और यदि ऐसा होता है, या केवल इसकी सुगबुगाहट भी बनी रहती है, तो कांग्रेस इस नए चक्रव्यूह से निपटने के लिए क्या रणनीति अपनाएगी?

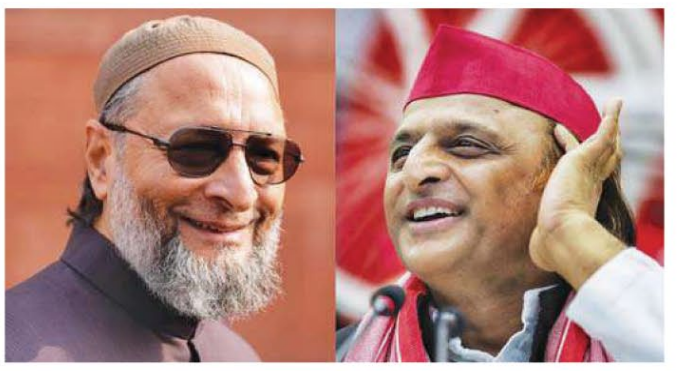

असदुद्दीन ओवैसी की राजनीति को समझने वाले जानते हैं कि वे बिना सोचे-समझे कोई बिसात नहीं बिछाते। उत्तर प्रदेश में मुस्लिम आबादी लगभग 19 से 20 प्रतिशत है, जो दर्जनों लोकसभा और विधानसभा सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाती है। पारंपरिक रूप से यह मतदाता वर्ग समाजवादी पार्टी और कुछ हद तक बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस की तरफ झुकता रहा है। ओवैसी ने मुरादाबाद की धरती से जो संदेश दिया, वह बहुत साफ था—'मुस्लिम समुदाय अब केवल दरी बिछाने और दूसरों को सत्ता तक पहुंचाने का जरिया नहीं बनेगा, उसे सत्ता में आनुपातिक हिस्सेदारी चाहिए।'

ओवैसी का यह रुख अखिलेश यादव के लिए एक बड़ी राजनीतिक दुविधा पैदा करता है:यदि अखिलेश ओवैसी को पूरी तरह खारिज करते हैं, तो ओवैसी उन पर 'मुस्लिम विरोधी' या 'मुसलमानों के वोटों का फायदा उठाने वाले नेता' का ठप्पा लगाकर अल्पसंख्यक मतों में सेंधमारी कर सकते हैं। बिहार और उत्तर प्रदेश के पिछले कुछ चुनावों में ओवैसी की पार्टी ने भले ही खुद ज्यादा सीटें न जीती हों, लेकिन उसने धर्मनिरपेक्ष दलों का खेल बिगाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है।और यदि अखिलेश यादव ओवैसी से हाथ मिला लेते हैं, तो भाजपा को 'मुस्लिम तुष्टीकरण' और 'कट्टरपंथ के तुष्टीकरण' का नैरेटिव बनाने का सीधा मौका मिल जाएगा। इससे सपा की 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) रणनीति का गैर-मुस्लिम हिस्सा, विशेषकर पिछड़ी और अगड़ी जातियों का वह वर्ग जो भाजपा से नाराज होकर सपा की तरफ आ सकता है, तुरंत छिटककर वापस भाजपा के पाले में चला जाएगा।अखिलेश यादव इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि ओवैसी के साथ मंच साझा करने की एक भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है, जिसे उनका पारंपरिक गैर-मुस्लिम वोट बैंक शायद स्वीकार न करे। इस पूरी सियासी बिसात में कांग्रेस पार्टी सबसे नाजुक मोड़ पर खड़ी है। कांग्रेस के सामने यह संकट केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर राष्ट्रीय राजनीति और 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता पर भी पड़ना तय है। कांग्रेस के रणनीतिकारों के सामने इस समय तीन बड़ी चुनौतियां हैं: पहली कांग्रेस खुद को देश की सबसे बड़ी और स्वाभाविक धर्मनिरपेक्ष पार्टी मानती है। उत्तर प्रदेश में वह सपा के साथ गठबंधन में रहकर खुद को अल्पसंख्यकों के रक्षक के रूप में पेश करती रही है। लेकिन अगर ओवैसी इस त्रिकोण में प्रवेश करते हैं, तो वे कांग्रेस के इस नैरेटिव को सीधे चुनौती देंगे। ओवैसी लगातार कांग्रेस पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उसने दशकों तक मुसलमानों का केवल इस्तेमाल किया और उन्हें नेतृत्व नहीं दिया। कांग्रेस के लिए ओवैसी के इस तीखे वैचारिक हमले का जवाब देना आसान नहीं होगा, क्योंकि ओवैसी सीधे जमीनी मुद्दों और आंकड़ों के साथ बात करते हैं।

दूसरी कांग्रेस उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की 'छोटे भाई' वाली भूमिका से बाहर निकलकर अपनी सीटों की संख्या और राजनीतिक प्रभाव बढ़ाना चाहती है। यदि सपा और ओवैसी के बीच कोई परोक्ष या अपरोक्ष समझौता होता है, तो गठबंधन के भीतर सीटों के बंटवारे का गणित पूरी तरह बिगड़ जाएगा। ओवैसी निश्चित रूप से उन सीटों पर दावा ठोकेंगे जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है—जैसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और रुहेलखंड का इलाका। इत्तेफाक से, कांग्रेस भी इन्हीं क्षेत्रों में अपने पुराने आधार को पुनर्जीवित करने की उम्मीद लगाए बैठी है। ऐसे में ओवैसी का आना कांग्रेस के हिस्से की सीटों में कटौती कर सकता है।

तीसरी कांग्रेस की राष्ट्रीय रणनीति इस समय सॉफ्ट-हिंदुत्व, जातिगत जनगणना और सामाजिक न्याय के इर्द-गिर्द घूम रही है। वह बहुसंख्यक समाज के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ना चाहती है। लेकिन अगर उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में ओवैसी और सपा की दोस्ती की खबरें सुर्खियों में रहती हैं, तो भाजपा पूरे चुनाव को 'राष्ट्रवाद बनाम तुष्टीकरण' के ध्रुवों पर केंद्रित कर देगी। ऐसी स्थिति में कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे बेरोजगारी, महंगाई और किसानों के मुद्दे पृष्ठभूमि में चले जाएंगे, जिससे कांग्रेस को सबसे ज्यादा नुकसान होगा।

ऐसी हालात में कांग्रेस समाजवादी पार्टी नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देने की कोशिश करेगी कि 'इंडिया' गठबंधन की एकजुटता के लिए ओवैसी जैसे तत्वों से दूरी बनाए रखना जरूरी है। कांग्रेस का तर्क होगा कि ओवैसी के साथ किसी भी तरह का गठबंधन पूरे देश में गठबंधन की छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। **(यह लेखक के अपने निजी विचार है)**

गुरुओं, शिक्षकों, मार्गदर्शकों और आध्यात्मिक सलाहकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए समर्पित है- गुरुपूर्णिमा पर्व

सुनील कुमार वाजपेयी

गुरु पूर्णिमा केवल हिंदुओं द्वारा ही नहीं बल्कि बौद्धों और जैनियों द्वारा भी मनाई जाती है। बौद्धों के लिए, यह दिन उस अवसर का प्रतीक है जब भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था। सभी धर्मों में, गुरु पूर्णिमा हमें ज्ञान, आत्म-खोज और व्यक्तिगत विकास की ओर मार्गदर्शन करने वालों का सम्मान करने की याद दिलाती है। श्रद्धालु आमतौर पर दिन की शुरुआत सुबह-सुबह स्नान करके करते हैं, मंदिरों या आश्रमों में जाते हैं, अपने गुरुओं से आशीर्वाद लेते हैं और पूरे दिन प्रार्थना, ध्यान और आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं।

इस बार बुधवार 29 जुलाई 2026 को गुरुपूर्णिमा मनाई जाएगी । यह पवित्र पूर्णिमा का दिन आध्यात्मिक और शैक्षणिक शिक्षकों को सम्मान देने और महर्षि वेद व्यास की जयंती मनाने का अवसर है। आध्यात्मिक गुरुओं, शिक्षकों, माता-पिता या बड़ों से आशीर्वाद प्राप्त करें। पीले फूलों, चंदन और तुलसी से महर्षि वेद व्यास और भगवान विष्णु की पूजा करें। जरूरतमंद लोगों को भोजन, कपड़े, किताबें या पीले रंग की वस्तुएं दान करें। भगवद् गीता जैसे पवित्र ग्रंथों को पढ़ें या व्यक्तिगत मंत्रों का जाप करें। गुरु पूर्णिमा भारत के सबसे पवित्र त्योहारों में से एक है, जो ज्ञान और बुद्धि के मार्ग को प्रकाशित करने वाले गुरुओं, शिक्षकों, मार्गदर्शकों और आध्यात्मिक सलाहकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए समर्पित है। हिंदू महीने की आषाढ़ की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह त्योहार गुरु और शिष्य के बीच के अटूट बंधन को दर्शाता है। इस दिन को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि यह ऋषि वेद व्यास की जयंती का स्मरणोत्सव है, जिन्होंने वेदों का संकलन किया, महाभारत की रचना की और पुराणों का लेखन किया। भारतीय दर्शन और साहित्य में उनके योगदान ने उन्हें हिंदू परंपरा के महानतम गुरुओं में से एक बना दिया है। गुरु पूर्णिमा केवल हिंदुओं द्वारा ही नहीं बल्कि बौद्धों और जैनियों द्वारा भी मनाई जाती है। बौद्धों के लिए, यह दिन उस अवसर का प्रतीक है जब भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के बाद सारनाथ में अपना पहला उपदेश दिया था। सभी धर्मों में, गुरु पूर्णिमा हमें ज्ञान, आत्म-खोज और व्यक्तिगत विकास की ओर मार्गदर्शन करने वालों का सम्मान करने की याद दिलाती है। श्रद्धालु आमतौर पर दिन की शुरुआत सुबह-सुबह स्नान करके करते हैं, मंदिरों या आश्रमों में जाते हैं, अपने गुरुओं से आशीर्वाद लेते हैं और पूरे दिन प्रार्थना, ध्यान और आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं। गुरु पूर्णिमा का अर्थ और आध्यात्मिक स्वरूप में देखें तो गुरु शब्द संस्कृत से आया है। गु - अंधकार या अज्ञान। रु - वह व्यक्ति जो इसे

हटाता है। इसलिए गुरु को वह व्यक्ति माना जाता है जो अज्ञान को दूर करता है और हमें ज्ञान और आत्मज्ञान की ओर ले जाता है। यह त्योहार उन शिक्षकों, मार्गदर्शकों, माता-पिता, प्रशिक्षकों और आध्यात्मिक नेताओं को धन्यवाद देने का एक अवसर है जिन्होंने हमारे जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। कई भक्त जीवन और आध्यात्मिकता की अपनी समझ को गहरा करने के लिए सत्संग, ध्यान सत्र और आध्यात्मिक प्रवचनों में भाग लेते हैं। शिष्य अक्सर अपने गुरु के प्रति अपनी निष्ठा की पुष्टि करते हैं और आत्म-सुधार और अनुशासन की अपनी यात्रा जारी रखते हैं। छात्र और पेशेवर दोनों ही अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में ज्ञान, स्पष्टता और मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना करते हैं। इस अवसर पर कई भक्त अपने गुरु के प्रतीकात्मक चरणों (पादुकाओं) की पूजा सम्मान और कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में करते हैं। शिष्य अपने गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक से आशीर्वाद लेने और आने वाले वर्ष के लिए मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए उनके पास जाते हैं। मंदिर और आश्रम आध्यात्मिक शिक्षा के लिए समर्पित भक्ति गीत, मंत्रोच्चार और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं। योग केंद्र और आध्यात्मिक संगठन ध्यान सत्र, व्याख्यान और प्राचीन ग्रंथों पर चर्चा आयोजित करते हैं। छात्र शिष्य परंपरा के अनुसार अपने शिक्षकों गुरुओं को आभार व्यक्त करने के प्रतीक के रूप में फल, फूल, किताबें, कपड़े या दान भेंट करते हैं। कई श्रद्धालु उपवास रखते हैं और पूरा दिन प्रार्थना, जप और पवित्र ग्रंथों के पाठ में व्यतीत करते हैं। अपने गुरु, शिक्षक या मार्गदर्शक से आशीर्वाद प्राप्त करें। सत्संग, योग सत्र या आध्यात्मिक कार्यशालाओं में भाग लें। मंदिरों, मठों या आश्रमों का दर्शन करें। भगवद् गीता, महाभारत, धम्मपद या उपनिषद जैसे पवित्र ग्रंथों का अध्ययन करें। ध्यान और आत्मचिंतन का अभ्यास करें।जरूरतमंदों को भोजन, किताबें या कपड़े दान करें। उन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें जिन्होंने आपके जीवन को आकार दिया है।

ज़िंदगी की दौड़ में, पहले पढ़िए

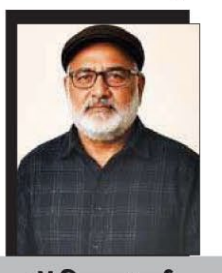

डॉ विजय गर्ग

आज का समय प्रतिस्पर्धा का समय है। हर व्यक्ति किसी न किसी दौड़ में शामिल है। विद्यार्थी अच्छे अंक प्राप्त करने की होड़ में हैं, युवा बेहतर नौकरी की तलाश में संघर्ष कर रहे हैं, व्यापारी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में लगे हैं और हर कोई सफलता की सीढ़ियाँ तेजी से चढ़ना चाहता है। लेकिन इस तेज़ रफ्तार जीवन में एक ऐसी आदत है, जिसे हम धीरे-धीरे पीछे छोड़ते जा रहे हैं—पढ़ने की आदत। वास्तव में, यदि जीवन की दौड़ में आगे निकलना है तो सबसे पहले पढ़ना सीखना होगा।

पढ़ना केवल किताबों के पन्ने पलटना नहीं है, बल्कि यह स्वयं को बेहतर बनाने की एक सतत प्रक्रिया है। पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, शोध-पत्र और अच्छा साहित्य हमें वह ज्ञान देते हैं जो अनुभवों को समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करता है। हर सफल वैज्ञानिक, शिक्षक, लेखक, उद्यमी और नेता के जीवन में पढ़ने की आदत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

किताबें हमारे सबसे अच्छे मित्र होती हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के हमें ज्ञान, प्रेरणा और अनुभव प्रदान करती हैं।

एक अच्छी पुस्तक हमें उन लोगों के जीवन से परिचित कराती है जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी। उनके संघर्ष, धैर्य और सफलता की कहानियाँ हमें अपने जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। इस प्रकार, एक पुस्तक हमें वर्षों का अनुभव कुछ ही घंटों में उपलब्ध करा देती है। विद्यार्थियों के लिए पढ़ना सबसे बड़ी पूँजी है। केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित रहने से ज्ञान सीमित रह जाता है। जब विद्यार्थी जीवनी, विज्ञान, इतिहास, साहित्य, पर्यावरण और समसामयिक विषयों पर पुस्तकें पढ़ते हैं तो उनकी सोच व्यापक होती है। उनकी भाषा समृद्ध होती है, कल्पनाशक्ति बढ़ती है, लेखन और संवाद कौशल विकसित होते हैं तथा वे समस्याओं का समाधान अधिक प्रभावी ढंग से कर पाते हैं।

आज डिजिटल युग में जानकारी की कोई कमी नहीं है, लेकिन सही जानकारी का चयन करना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। सोशल मीडिया पर हर दिन असंख्य संदेश और वीडियो हमारे सामने आते हैं, जिनमें से सभी सत्य नहीं होते। नियमित पढ़ने की आदत हमें तथ्यों और अफवाहों में अंतर करना सिखाती है। यह हमारी तार्किक सोच को मजबूत करती है और हमें जिम्मेदार तथा जागरूक नागरिक बनाती है। पढ़ना केवल ज्ञान ही नहीं बढ़ाता, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। एक अच्छी पुस्तक तनाव कम करती है, एकाग्रता बढ़ाती है और मन को सकारात्मक दिशा देती है। मोबाइल स्क्रीन पर घंटों बिताने की तुलना में कुछ समय पुस्तक के साथ बिताना हमारे मस्तिष्क को अधिक शांत और सक्रिय बनाता है। पढ़ने से धैर्य, अनुशासन और गहराई से सोचने की क्षमता विकसित होती है।

माता-पिता और शिक्षकों की भूमिका इस दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। यदि घर में पुस्तकों का वातावरण होगा, माता-पिता स्वयं पढ़ेंगे और विद्यालयों में पुस्तकालय, पुस्तक चर्चा, वाचन प्रतियोगिताएँ तथा पठन अभियान चलाए जाएँगे, तो बच्चों में पढ़ने की स्वाभाविक रुचि विकसित होगी।

आज ई-पुस्तकों, ऑडियो बुक्स और डिजिटल पुस्तकालयों ने पढ़ने को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया है। माध्यम बदल गया है, लेकिन उद्देश्य वही है—सीखना, समझना और स्वयं को बेहतर बनाना। चाहे पुस्तक कागज़ पर हो या मोबाइल की स्क्रीन पर, पढ़ना हमेशा विकास का सबसे विश्वसनीय साधन रहेगा।

जीवन की दौड़ केवल तेज़ दौड़ने वालों की नहीं होती, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने वालों की होती है। सही दिशा ज्ञान से मिलती है और ज्ञान पढ़ने से। जो व्यक्ति पढ़ता है, वह हर दिन स्वयं को और अधिक सक्षम बनाता है। उसके निर्णय बेहतर होते हैं, उसका व्यक्तित्व प्रभावशाली बनता है और वह समाज के लिए अधिक उपयोगी सिद्ध होता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम बच्चों और युवाओं को केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें पढ़ने का आनंद भी सिखाएँ। जब पढ़ना आदत बन जाता है, तब सीखना जीवन भर की प्रक्रिया बन जाता है। यही आदत व्यक्ति को बदलती है, समाज को बदलती है और अंततः राष्ट्र के विकास में योगदान देती है।

याद रखिए, जीवन की दौड़ में सबसे बड़ी बढ़त तेज़ दौड़ने से नहीं, बल्कि पहले पढ़ने से मिलती है। इसलिए सफलता की ओर पहला कदम उठाइए—पहले पढ़िए, फिर आगे बढ़िए।

गांव की चौखट से शुरू होगा समानता का दौर

करीना थायत

भारत विकास और आर्थिक प्रगति की नई इबारत लिखने की बात करता है। लेकिन इस विकास का अर्थ तभी पूरा होगा, जब गांव की महिलाएं और किशोरियां भी अपने अधिकारों, अवसरों और फैसलों पर बराबरी की हिस्सेदार बनें। किसी देश की प्रगति केवल शहरों की चमक से नहीं, बल्कि इस बात से भी तय होती है कि गांव की महिलायें और किशोरी कितनी सुरक्षित, शिक्षित, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी पा रही है। नारी सशक्तिकरण का अर्थ केवल आर्थिक रूप से सक्षम होना नहीं है। इसका अर्थ है अपने जीवन से जुड़े फैसले लेने की स्वतंत्रता, शिक्षा और रोजगार तक समान पहुंच, सार्वजनिक जीवन में भागीदारी और सम्मान के साथ जीने का अधिकार है। जब कोई महिला बिना डर के अपनी बात रख सके, अपने बच्चों की शिक्षा का निर्णय ले सके, अपनी आजीविका चुन सके और समाज में सम्मान के साथ जी सके, तभी सशक्तिकरण अपने वास्तविक अर्थों में दिखाई देता है।

पिछले कुछ दशकों में केंद्र से लेकर सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा महिलाओं के लिए अनेक सरकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान से लेकर स्वयं सहायता समूहों, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, कौशल विकास कार्यक्रमों और महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी योजनाओं ने अनेक सकारात्मक बदलावों की शुरुआत की है। इन प्रयासों ने लाखों महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा है। इसके बावजूद यह भी सच है कि ग्रामीण भारत के अनेक हिस्सों में इन योजनाओं का लाभ अभी भी समान रूप से नहीं पहुंच पाया है। कहीं जानकारी का अभाव है, कहीं सामाजिक संकोच, कहीं संसाधनों की कमी और कहीं वर्षों से चली आ रही रूढ़िवादी सोच और परंपरा महिलाओं को आगे बढ़ने से रोक देती है। ग्रामीण समाज में सबसे बड़ी चुनौती केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि सोच की भी है। आज भी अनेक परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को लड़कों जितना महत्व नहीं दिया जाता। कई जगह लड़कियों की पढ़ाई जल्दी रुक जाती है क्योंकि घरेलू जिम्मेदारियां उन्हें स्कूल से पहले सौंप दी जाती हैं। महिलाओं की राय परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में अक्सर अंतिम प्राथमिकता बनकर रह जाती है। यदि किसी गांव की महिलाएं शिक्षित हों, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हों और पंचायत से लेकर परिवार तक निर्णय लेने की प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी हो, तो उसका प्रभाव केवल महिलाओं तक सीमित नहीं रहता बल्कि ऐसे परिवारों में बच्चों की शिक्षा बेहतर होती है, स्वास्थ्य संबंधी निर्णय अधिक जागरूकता के साथ लिए जाते हैं, पोषण की स्थिति सुधरती है और घरेलू आय के नए स्रोत विकसित होते हैं। यही कारण है कि दुनिया भर के विकास संबंधी अध्ययनों में महिलाओं के सशक्तिकरण को गरीबी कम करने और सामाजिक विकास का सबसे प्रभावी माध्यम माना गया है। ग्रामीण भारत में परिवर्तन की सबसे सकारात्मक बात यह है कि अब बदलाव की इच्छा केवल महिलाओं तक सीमित नहीं रह गई है। बड़ी संख्या में युवा यह मानने लगे हैं कि महिला और पुरुष के बीच अवसरों की समानता होनी चाहिए। पंचायतों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों की बढ़ती भागीदारी ने भी यह साबित किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं नेतृत्व की जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से निभा सकती हैं। यह अलग बात है कि अभी उनकी भूमिका बहुत अधिक प्रभावी रूप मने सामने नहीं आई है. वहीं स्वयं सहायता समूहों ने भी हजारों गांवों में महिलाओं को बचत, उद्यमिता और सामुदायिक नेतृत्व से जोड़कर आत्मविश्वास की नई पहचान दी है। यह बदलाव बताता है कि जब अवसर और विश्वास साथ मिलते हैं, तो महिलाएं केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का भविष्य बदल सकती हैं। हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि केवल महिलाओं से बदलाव की उम्मीद करना पर्याप्त नहीं है। नारी सशक्तिकरण महिलाओं का अकेला संघर्ष नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। यदि पुरुष समानता के इस अभियान में सहभागी बनेंगे, तभी सामाजिक परिवर्तन स्थायी रूप से संभव होगा। बराबरी का समाज टकराव से नहीं, साझेदारी से बनता है। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब घर के पुरुष बराबरी को अपना दायित्व मानते हैं, तब महिलाओं के लिए फैसले लेना, शिक्षा जारी रखना और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी करना आसान हो जाता है। शिक्षा इस परिवर्तन की सबसे मजबूत सीढ़ी बनी है। एक शिक्षित किशोरी केवल अपनी पढ़ाई पूरी नहीं करती, बल्कि स्वास्थ्य, पोषण, कानून, तकनीक और अपने अधिकारों के प्रति भी अधिक जागरूक होती है। वह बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव और हिंसा जैसी सामाजिक चुनौतियों का सामना करने का साहस विकसित करती है। इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी लड़की केवल गरीबी, दूरी,

गुरु पूर्णिमा पर माता-पिता की स्मृति में गौसेवा का अनूठा संकल्प, गौशाला को 2 लाख की एफडी भेंट

टोडारायसिंह (टोंक)। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर टोडारायसिंह निवासी दिनेश कुमार चौबे एवं मनीष कुमार चौबे ने अपने स्वर्गीय माता-पिता की पुण्य स्मृति में गौसेवा का अनुकरणीय संकल्प लेते हुए श्री गणेश गौशाला को 2 लाख की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) भेंट की। उनकी इस पहल को समाज में सेवा, संस्कार और गौसंरक्षण की प्रेरणादायी मिसाल माना जा रहा है।

दानदाताओं ने अपने माता-पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि गौसेवा भारतीय संस्कृति की अमूल्य परंपरा है और इससे बढ़कर कोई पुण्य कार्य नहीं है। उन्होंने बताया कि इस एफडी से मिलने वाला लगभग 1,000 प्रतिमाह ब्याज नियमित रूप से गौशाला को प्राप्त होगा, जिसका उपयोग गौवंश के चारे, उपचार, रखरखाव तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह केवल एक बार का आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि गौसेवा के लिए स्थायी सहयोग का संकल्प है, जिससे आने वाले वर्षों तक गौशाला को निरंतर लाभ मिलता रहेगा।

श्री गणेश गौशाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने इस योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यदि अधिक से अधिक लोग अपने स्वजनों की स्मृति में इस प्रकार स्थायी आर्थिक सहयोग दें, तो गौशालाओं के संचालन एवं गौवंश संरक्षण को मजबूत आधार मिल सकता है।

समिति ने दिनेश कुमार चौबे एवं मनीष कुमार चौबे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह योगदान केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि समाज में सेवा, श्रद्धा, संस्कार और गौसंरक्षण के प्रति जागरूकता का सशक्त संदेश भी है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर किया गया यह पुनीत कार्य निश्चित रूप से अन्य लोगों को भी समाजसेवा और गौसेवा के लिए प्रेरित करेगा।

मालपुरा में चातुर्मास की तैयारियां तेज, 3 अगस्त को होगा भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह

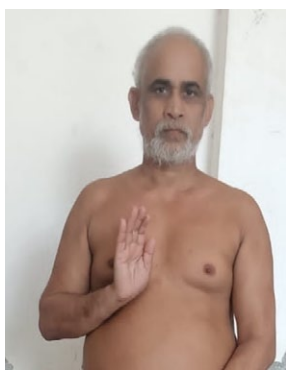

आचार्य 108 श्री कीर्ति सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास को लेकर जैन समाज में उत्साह, व्यवस्था समिति का गठन, गुलाबचंद कागला बने अध्यक्ष मालपुरा (टोंक)। मालपुरा नगर में इस वर्ष होने जा रहे आचार्य 108 श्री कीर्ति सागर महाराज ससंघ के चातुर्मास को लेकर जैन समाज में व्यापक उत्साह का माहौल है। चातुर्मास की तैयारियों के तहत श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 3 अगस्त को शाम 7 बजे भव्य मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में मालपुरा सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। अग्रवाल समाज अध्यक्ष त्रिलोक चंद जैन ने बताया कि आचार्य श्री का चार माह का चातुर्मास प्रवास मालपुरा में रहेगा। इसे सफल एवं भव्य बनाने के लिए चातुर्मास व्यवस्था समिति का गठन किया गया है, जिसमें गुलाबचंद कागला को अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि चातुर्मास के दौरान धर्म प्रभावना, प्रवचन, धार्मिक अनुष्ठान, पूजन, स्वाध्याय तथा विभिन्न आध्यात्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए जैन समाज के विभिन्न सदस्यों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए हैं, ताकि सभी कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हो सकें। मंगल कलश स्थापना समारोह में मालपुरा के अलावा आसपास के नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में जैन श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया गया है। समाज के पदाधिकारियों ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने तथा आचार्य श्री के सान्निध्य का लाभ लेने का आग्रह किया है। आचार्य 108 श्री कीर्ति सागर महाराज ससंघ के मालपुरा आगमन एवं चातुर्मास को नगर के धार्मिक एवं आध्यात्मिक जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। समाजजनों का विश्वास है कि चार माह तक चलने वाले इस चातुर्मास से पूरे क्षेत्र में धर्म, संस्कृति, सदाचार और आध्यात्मिक चेतना का व्यापक प्रसार होगा।

नशामुक्त भारत और टीबी मुक्त टोंक पर जोर, राज्यपाल ने जिला अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

हरिभाऊ बागडे बोले— नशे की प्रवृत्तियों को रोकने के लिए सभी मिलकर करें प्रयास, शिक्षण संस्थानों में नैतिक शिक्षा पर दिया विशेष जोर

टोंक। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने गत 29 जुलाई बुधवार को जिला परिषद सभागार, टोंक में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संवाद कर विभिन्न जनहितकारी योजनाओं एवं अभियानों की समीक्षा की। उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान और राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही विद्यार्थियों में नैतिक शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने नशामुक्त भारत अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसकी शुरुआत सरकारी विभागों से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजकीय कार्मिक स्वयं नशे से दूर रहें, ताकि वे समाज के लिए प्रेरणा बन सकें। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों में शिक्षकों को भी विद्यार्थियों के बीच नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाने और नैतिक मूल्यों को विकसित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और उन्हें नशे की लत से बचाना समाज और प्रशासन की साझा जिम्मेदारी है। शिक्षण संस्थानों में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देकर नशे की बढ़ती प्रवृत्तियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। बैठक में राज्यपाल ने राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए टीबी मरीजों की शीघ्र पहचान, समय पर उपचार और ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि "टीबी मुक्त टोंक" के लक्ष्य को लेकर सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने डोर-टू-डोर सर्वे, नियमित स्क्रीनिंग और समय पर उपचार को टीबी उन्मूलन की कुंजी बताते हुए कहा कि इससे अनेक लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। साथ ही मरीजों को निःशुल्क दवा के साथ निक्षय मित्र योजना के माध्यम से पोषण किट उपलब्ध कराने पर भी बल दिया। समीक्षा बैठक में शक्ति सिंह राठौड़, टीना डाबी, रोशन मीना सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विकास की नई पहचान बना मालपुरा-टोडारायसिंह, मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के नेतृत्व में बदली क्षेत्र की तस्वीर

सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, पर्यटन और प्रशासनिक विकास के ऐतिहासिक कार्यों से विधानसभा बनी प्रदेश में मिसाल

मालपुरा (टोंक)। कभी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करने वाला मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र आज राजस्थान में विकास की नई पहचान बनकर उभरा है। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी (जलदाय) एवं भू-जल मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के नेतृत्व में क्षेत्र में विकास की ऐसी गंगा बही है, जिसने गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक परिवर्तन की नई तस्वीर पेश की है। सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, पर्यावरण और प्रशासनिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में हुए ऐतिहासिक कार्यों ने मालपुरा को प्रदेश के अग्रणी विधानसभा क्षेत्रों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है।

56 करोड़ की दो बड़ी परियोजनाओं का शिलान्यास

हाल ही में मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने करीब 56 करोड़ रुपये की लागत वाली दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का विधिवत पूजा-अर्चना के साथ शिलान्यास किया। इनमें 50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला अत्याधुनिक राजकीय जिला अस्पताल भवन तथा 6 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर रोड से सुईवालों की ढाणी मोड़ तक डिवाइडर सहित फोरलेन सड़क का निर्माण शामिल है।

शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री चौधरी ने कहा कि "शिलान्यास भी हम ही करेंगे और लोकार्पण भी।" उन्होंने विश्वास दिलाया कि मालपुरा विधानसभा क्षेत्र के विकास में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मालपुरा की जनता ने लगातार तीन बार उन्हें विधानसभा भेजकर अपना विश्वास जताया है और राज्य सरकार ने उन्हें कैबिनेट मंत्री के रूप में क्षेत्र की सेवा करने का अवसर दिया है। मंत्री ने बताया कि मालपुरा विधानसभा क्षेत्र में लगभग 1500 करोड़ रुपये के विकास कार्य प्रस्तावित हैं, जिनका लाभ आने वाले वर्षों में प्रत्येक नागरिक को मिलेगा।

सड़कों का मजबूत नेटवर्क, कनेक्टिविटी को नई गति

क्षेत्र में दूदू-छाण स्टेट हाईवे के निर्माण के साथ जयपुर-भीलवाड़ा 193 किलोमीटर लंबे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की डीपीआर तैयार की जा रही है। संवारिया-झाड़ली-देवल-लाम्बाहरिसिंह, मालपुरा-रिण्डल्या-देवली, उनियारा खुर्द से जिला सीमा तक माइनिंग रोड, देवल-नगर (एमडीआर-308), गुर्जर की थड़ी-रिण्डल्या, रामसिंहपुरा-थली मोड़, नारेड़ा-काचरिया तथा दतोब-भादू का खेड़ा-एकलसिंघा सहित अनेक प्रमुख सड़क परियोजनाओं पर सैकड़ों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। वहीं देवली-बीसलपुर-टोडारायसिंह-जयपुर मार्ग पर बनास नदी की पुलिया निर्माण के लिए 147 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में ऐतिहासिक विस्तार

मालपुरा उप जिला चिकित्सालय को जिला चिकित्सालय तथा टोडारायसिंह सीएचसी को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत कराया गया। मालपुरा अस्पताल की क्षमता 75 से बढ़ाकर 100 तथा टोडारायसिंह की 50 से बढ़ाकर 75 बेड कर दी गई। डिग्गी एवं लाम्बाहरिसिंह को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दर्जा मिला, जबकि मोर, झाड़ली, बसेड़ा, उनियारा खुर्द और दाबड़दुम्बा सहित कई उप स्वास्थ्य केंद्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत कर ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया।

हर घर तक पहुंचा पेयजल

मालपुरा और टोडारायसिंह में उच्च जलाशय, राइजिंग मेन एवं वितरण पाइपलाइन निर्माण पर दर्जनों करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। डिग्गी, लाम्बाहरिसिंह, केकड़ी, देवली और अलीगढ़ की शहरी पेयजल योजनाओं का विस्तार किया गया। जल जीवन मिशन के तहत हजारों घरों तक नल कनेक्शन पहुंचे और प्रदेश में सर्वाधिक पानी की टंकियों का निर्माण इसी क्षेत्र में हुआ।

प्रशासनिक और नगरीय विकास को नई दिशा

मालपुरा नगर पालिका को चतुर्थ श्रेणी से द्वितीय श्रेणी तथा टोडारायसिंह नगर पालिका को चतुर्थ से तृतीय श्रेणी में क्रमोन्नत कराया गया। डिग्गी और लाम्बाहरिसिंह को नगर पालिका का दर्जा मिला, जबकि डिग्गी को तहसील तथा पचेवर को उप तहसील एवं पंचायत समिति का दर्जा दिलाकर प्रशासन को आमजन के और करीब पहुंचाया गया।

कृषि, पशुपालन और किसानों को मिली मजबूती

मालपुरा कृषि मंडी को ए श्रेणी का दर्जा मिला, टोडारायसिंह गौण मंडी को कृषि मंडी में क्रमोन्नत किया गया। नवीन डेयरी प्लांट, पशु चिकित्सालय का उन्नयन, कृषि केंद्रों एवं पशु उपकेंद्रों की स्थापना के साथ किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। फसल मुआवजे की मांग को लेकर मंत्री चौधरी ने कई बार संघर्ष किया और किसानों को राहत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही दूदू-छाण हाईवे और हाथकी मोड़ पर प्रस्तावित टोल प्लाजा को जनहित में रुकवाया गया।

धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का हुआ कायाकल्प

डिग्गी कल्याणजी धाम के विकास पर 56 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए, जिनमें से लगभग 30 करोड़ रुपये के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। रिंग रोड, गौरव पथ, तालाब सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं ने धाम की भव्यता बढ़ाई है। सिंधौलिया माताजी और भूतेश्वर नाथ मंदिर के विकास कार्यों पर भी करोड़ों रुपये खर्च किए गए।

शिक्षा और पर्यावरण में भी उल्लेखनीय कार्य

राजकीय महाविद्यालय टोडारायसिंह के नए भवन का निर्माण कराया गया। विद्यालयों में लगभग 2000 करोड़ रुपये की लागत से कक्षाओं एवं आधारभूत सुविधाओं का विकास किया गया। मालपुरा घाटी रोड पर नगर वन विकसित किया जा रहा है, लाखों पौधों का रोपण किया गया तथा किरावल एवं लाम्बाहरिसिंह बांधों का सौंदर्यीकरण भी कराया गया।

विकास की नई इबारत

आज मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा में विकास केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि सड़कों, अस्पतालों, पेयजल योजनाओं, प्रशासनिक सुविधाओं, धार्मिक स्थलों, शिक्षा संस्थानों और जनकल्याणकारी योजनाओं के रूप में धरातल पर स्पष्ट दिखाई देता है। यही कारण है कि क्षेत्रवासी गर्व से कहते हैं कि मालपुरा विधानसभा आज विकास, विश्वास और जनसेवा का पर्याय बन चुकी है। "जहां संकल्प विकास का हो, वहां परिवर्तन निश्चित होता है; और जहां नेतृत्व कन्हैयालाल चौधरी जैसा हो, वहां इतिहास नहीं, विकास की नई इबारत लिखी जाती है।"

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में गूंजा नशामुक्त भारत का संदेश, राज्य स्तर के लिए विजेताओं का चयन

'नशा मुक्त युवा विकसित भारत-2047' अभियान के तहत युवाओं ने गीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक और चित्रकला से किया जागरूक

टोंक। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मय भारत द्वारा संचालित 'नशा मुक्त युवा विकसित भारत–2047' अभियान के तहत गत 29 जुलाई मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोहना (टोंक) में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन हुआ। जिलेभर से आए विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशामुक्त समाज का प्रभावशाली संदेश दिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागियों का चयन अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. करतार सिंह मीणा ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का युवा नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

उन्होंने युवाओं से स्वयं नशामुक्त रहने के साथ परिवार और समाज को भी नशामुक्त बनाने का आह्वान किया तथा सभी को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। जिला युवा अधिकारी संतोष चौहान ने अतिथियों, निर्णायक मंडल एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत–2047 की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने युवाओं से अपनी प्रतिभा को सामाजिक जागरूकता और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाने का आह्वान किया। प्रतियोगिताओं में लोकगीत (गायन), नृत्य, माइम/नुक्कड़ नाटक, शॉर्ट फिल्म/रील, चित्रकला, वाद-विवाद, स्लोगन लेखन और स्लैम पोएट्री सहित आठ विधाओं में प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रस्तुतियों में नशे के दुष्परिणाम, स्वस्थ जीवनशैली, सामाजिक जिम्मेदारी और विकसित भारत के संकल्प को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

निर्णायक मंडल ने निर्धारित मानकों के आधार पर विजेताओं का चयन किया। प्रत्येक विधा में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी अब राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में टोंक जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन लेखा एवं कार्यक्रम सहायक रोहिल कट्टा ने किया। आयोजन में मय भारत स्वयंसेवकों, निर्णायक मंडल, शिक्षकों एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों का उल्लेखनीय सहयोग रहा। समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त भारत–विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

IFWJ में गोपाल नायक को बड़ी जिम्मेदारी, मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा प्रभारी नियुक्त

टोंक जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारियों की घोषणा, संगठन विस्तार और पत्रकार हितों को मिलेगी नई मजबूती

मालपुरा (टोंक)। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट (IFWJ) ने टोंक जिले में संगठनात्मक विस्तार करते हुए विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों की घोषणा की है। इस क्रम में मालपुरा निवासी वरिष्ठ पत्रकार गोपाल नायक को मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को क्षेत्र के पत्रकारों के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी और संगठन के प्रति विश्वास के रूप में देखा जा रहा है। यह नियुक्ति IFWJ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश तथा अजमेर संभाग प्रभारी प्रवीण बूथरा की अनुमति से जिला अध्यक्ष प्रेम रघुवंशी द्वारा की गई है। जिला अध्यक्ष ने बताया कि संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से विधानसभा स्तर पर प्रभारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

जारी सूची के अनुसार नासिर खान को टोंक विधानसभा, महेंद्र कुमार सैनी (नगर फोर्ट) को देवली-उनियारा विधानसभा, कमल मीणा (निवाई) को निवाई विधानसभा तथा गोपाल नायक (मालपुरा) को मालपुरा-टोडारायसिंह विधानसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया है।

जिला अध्यक्ष प्रेम रघुवंशी ने कहा कि नव-नियुक्त सभी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन का विस्तार करेंगे, नए पत्रकारों को संगठन से जोड़ेंगे तथा पत्रकारों के अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी पदाधिकारी संगठन की नीतियों के अनुरूप कार्य करते हुए IFWJ को और अधिक मजबूत बनाएंगे।

गोपाल नायक की नियुक्ति पर मालपुरा क्षेत्र के पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में मालपुरा-टोडारायसिंह क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को नई गति मिलेगी तथा पत्रकारों की आवाज को और अधिक मजबूती के साथ उठाया जाएगा। जिला अध्यक्ष ने यह भी बताया कि IFWJ टोंक जिला कार्यकारिणी की घोषणा भी शीघ्र की जाएगी, जिससे संगठनात्मक ढांचे को और सशक्त बनाया जा सके।

35 करोड़ के उप जिला अस्पताल का निर्माण जल्द शुरू कराएं

सीएम के नाम एसडीएम को दिए ज्ञापन में लोगों ने कहा- जयपुर रोड पर पूर्व में आवंटित 10 बीघा जमीन पर ही अस्पताल का निर्माण हो

देवली राज्य सरकार से स्वीकृत 35 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले नवीन राजकीय उप जिला चिकित्सालय के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने तथा पूर्व में आवंटित भूमि पर ही अस्पताल बनाए जाने की मांग को लेकर सोमवार को क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि अस्पताल निर्माण के लिए पूर्व में जयपुर रोड स्थित म्हारो राजस्थान रिसोर्ट मार्ग के पास लगभग 10 बीघा भूमि आवंटित की जा चुकी है। यह स्थान तकनीकी दृष्टि से उपयुक्त होने के साथ पर्याप्त क्षेत्रफल वाला है, जिससे भविष्य में अस्पताल के विस्तार की भी पर्याप्त संभावना रहेगी। लोगों ने कहा कि इस स्थान तक शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आसानी से पहुंचा जा सकता है तथा एम्बुलेंस सहित अन्य आपातकालीन वाहनों के आवागमन में भी कोई परेशानी नहीं होगी।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि प्रदेश के कई शहरों में जिला एवं उप जिला चिकित्सालय मुख्य आबादी से कुछ दूरी पर स्थित हैं, क्योंकि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बड़े भूखंड की आवश्यकता होती है। ऐसे में पूर्व में चयनित भूमि ही अस्पताल

निर्माण के लिए सबसे उपयुक्त है। साथ ही यह भी कहा गया कि संबंधित विभागों एवं विशेषज्ञों द्वारा इस भूमि को तकनीकी रूप से उपयुक्त माना जा चुका है। क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी कि यदि निर्माण कार्य में अनावश्यक विलंब हुआ तो क्षेत्र की यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजना प्रभावित हो सकती है। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए पूर्व में आवंटित भूमि पर ही अस्पताल निर्माण कार्य तत्काल शुरू कराने की मांग की, ताकि देवली एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का समय पर लाभ मिल सके। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि शहर के कुछ लोग अस्पताल की प्रस्तावित जगह को लेकर आमजन में भ्रम फैला रहे हैं, जबकि वर्तमान अस्पताल देवली में यथावत संचालित रहेगा। उपखंड अधिकारी कार्यालय के साथ ही महावीर उद्यान में भी आयोजित सभा को विभिन्न वक्ताओं ने संबोधित किया। ज्ञापन सौंपने वालों में निवर्तमान पालिका अध्यक्ष नेमीचंद जैन, पूर्व आईएएस शिवजी राम प्रतिहार, मनोज शर्मा, व्यापार मंडल अध्यक्ष पंकज जैन, राजकुमार मीणा, मुकेश साहू, अजय मेवाड़ा, देवली गांव के पूर्व सरपंच राजबहादुर सिंह, अखिल कुरेशी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

बिजली निगम पर लापरवाही का आरोप, दिनभर धरना-प्रदर्शन के बाद 15 लाख सहायता, आवासीय भूखंड व संविदा नौकरी पर बनी सहमति

महावीर मार्ग पर बारिश के पानी में दौड़ा करंट, युवक की मौत से फूटा जनाक्रोश

मालपुरा (टोंक)। शहर के महावीर मार्ग बाजार में बारिश के पानी में फैले करंट की चपेट में आने से 28 जुलाई मंगलवार

की देर शाम एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों और रैगर समाज में भारी आक्रोश फैल गया। बुधवार को अस्पताल के बाहर परिजनों और समाज के लोगों ने बिजली निगम पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए धरना-प्रदर्शन किया। करीब पूरे दिन चली वार्ताओं के बाद प्रशासन और परिजनों के बीच समझौता हुआ, जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

जानकारी के अनुसार मृतक राहुल वर्मा मंगलवार शाम करीब साढ़े छह से सात बजे के बीच बस स्टैंड से महावीर मार्ग होते हुए अपने घर जा रहा था। इसी दौरान बिजली के खंभे के पास बारिश के पानी में उतरते ही उसे तेज करंट का झटका लगा। करंट लगने से वह सड़क पर गिर पड़ा। सूचना पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के विरोध में बुधवार सुबह से ही परिजन एवं रैगर समाज के लोग अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए। उन्होंने बिजली निगम की लापरवाही को हादसे का जिम्मेदार बताते हुए दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा, डीएसपी आशीष प्रजापत, थाना प्रभारी चैनाराम बेड़ा तथा नगर पालिका ईओ रामजीत चौधरी सहित कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और परिजनों से लगातार वार्ता की।

परिजनों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर एक करोड़ रुपये मुआवजा, मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी तथा दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग रखी। प्रथम चरण की वार्ता में मुख्यमंत्री सहायता कोष से पांच लाख रुपये दिलाने का आश्वासन दिया गया, लेकिन सहमति नहीं बनी। दूसरे दौर की वार्ता में बिजली निगम की ओर से अतिरिक्त आर्थिक सहायता का प्रस्ताव रखा गया, फिर भी मामला नहीं सुलझा। अंततः चौथे दौर की वार्ता में समझौता हुआ।

समझौते के अनुसार मृतक के परिजनों को 15 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, एक आवासीय भूखंड, मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। इसके बाद शाम करीब सात बजे धरना समाप्त हुआ और परिजनों ने पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार के लिए अपने साथ ले गए।

धरने को राजनीतिक समर्थन भी मिला। कांग्रेस नेता घासीलाल चौधरी कार्यकर्ताओं के साथ धरना स्थल पहुंचे और परिजनों की मांगों का समर्थन किया। वहीं शाम को आरएलपी के प्रतिनिधि प्रभाती लाल जाट भी मालपुरा पहुंचे और परिजनों से मुलाकात की।

इस संबंध में बिजली निगम मालपुरा कार्यालय के एईएन कैलाश चंद माली ने बताया कि महावीर मार्ग में लगातार बारिश के कारण पानी में नमी आने से करंट फैला। उन्होंने कहा कि इससे पहले इस स्थान पर करंट आने की कोई शिकायत विभाग को प्राप्त नहीं हुई थी। वहीं आसपास के लोगों का भी कहना है कि पहले कभी इस तरह की घटना नहीं हुई। विभाग ने पूरे मामले की जांच के लिए कमेटी गठित कर दी है। जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा तथा यदि किसी कर्मचारी की लापरवाही सामने आती है तो उसके विरुद्ध विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

भाटीखेड़ा में 'एक शिक्षक-एक पेड़' अभियान शुरू

शिक्षकों और छात्रों ने किया पौधारोपण; पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

आसींद। आसींद में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भाटीखेड़ा (बराना) से %एक शिक्षक-एक पेड़% अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के तहत अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. शंकरलाल माली, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) भीलवाड़ा एवं शैक्षिक महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश सुथार, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) तेज बहादुर और मुख्य ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी आसींद नारायण जागेटिया सहित कई लोगों ने भाग लिया। शिक्षक संघ अध्यक्ष दूदाराम गुर्जर, पीईईओ जगदीशनाथ योगी, प्रधानाध्यापिका मधुबाला जोशी और विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया।

पेड़ों के महत्व पर डाला प्रकाश

इस अवसर पर डॉ. शंकरलाल माली ने पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को पौधों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। डॉ. माली ने एकलव्य के प्रसंग का उल्लेख करते हुए गुरु के सम्मान और शिक्षा के प्रति समर्पण का संदेश भी दिया। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी कैलाश सुथार ने प्राथमिक कक्षाओं के विद्यार्थियों में पढ़ने, लिखने और समझने की क्षमता विकसित करने पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी तेज बहादुर ने स्कूल का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

तिरुपति में राजेन्द्र जोशी के कविता-संग्रह के असमिया अनुवाद का विमोचन

बीकानेर। तिरुपति में राजेन्द्र जोशी के हिन्दी कविता-संग्रह 'एक रात धूप में' के असमिया अनुवाद 'ए रात दोपहर रोड में' का राष्ट्रीय स्तर पर लोकार्पण राजकीय पद्मावती महिला विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह में हुआ। इस अनुवाद का कार्य डिब्रूगढ़ के शिक्षाविद् और साहित्यकार दुर्लभ चेतिया ने किया है।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली के संयुक्त सचिव आसिमा मंगला ने कहा कि भारतीय भाषाओं के बीच साहित्यिक आदान-प्रदान राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक समृद्धि को मजबूत करता है, और यह अनुवाद दो भाषाओं के बीच आत्मीय संवाद का सेतु है। अध्यक्षता करते हुए एल राजा ने इसे ' 'एक भारतङ्कश्रेष्ठ भारत'' की भावना से जोड़ते हुए कहा कि ऐसी कृतियां पाठकों तक मानवीय संवेदनाएं पहुंचाती हैं। सुरेश खंडेलवाल ने साहित्य को समाज जोड़ने वाली शक्ति बताया।

रिवॉल्वर और देसी पिस्टल के साथ दो आरोपी दबोचे

वारदात से पहले कोटा पुलिस का एक्शन, घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहे थे

कोटा। कोटा शहर पुलिस ने अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की सतर्कता से एक संभावित बड़ी वारदात भी टल गई। दोनों आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।

किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे आरोपी : पुलिस एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि मकबरा थाना पुलिस और डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए जाकिर हुसैन (56) निवासी नेहरू नगर मस्जिद के पास, कोटा जंक्शन थाना भीमगंजमंडी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से एक रिवॉल्वर और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, जाकिर हुसैन मकबरा सब्जी मंडी क्षेत्र में किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे वारदात से पहले ही दबोच लिया। इस कार्रवाई से एक बड़ी वारदात टल गई।

चेकिंग के दौरान आरोपी को अवैध हथियार समेत दबोचा : वहीं, नयापुरा थाना पुलिस ने चंबल कॉलोनी क्षेत्र में आकस्मिक चेकिंग के दौरान मयंक सोनी (35) निवासी ब्रजराजपुरा चौथमाता बाजार, थाना मकबरा को गिरफ्तार किया।

तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध देसी पिस्टल और एक कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भीलवाड़ा में अवैध बजरी से भरी 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी

पुलिस ने बनास नदी में दबिश दी, काम में ली जा रही बाइक को भी जब्त किया

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। इस कार्रवाई के तहत पुलिस ने सुबह 8 बजे जिले की बड़लियास थाना पुलिस ने जीवा का खेड़ा गांव के पास से गुजर रही मेवाड़ की गंगा बनास नदी से अवैध बजरी परिवहन पर कार्रवाई हुए। तीन ट्रैक्टर ट्राली और एक बाइक को जब्त किया है। जिसे पुलिस ने थाने में लाकर खड़ा किया है।

3 ट्रैक्टर ट्रॉली और 1 बाइक जब्त

थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी। जीवा का खेड़ा के पास बनास नदी से अवैध बजरी परिवहन करते तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रैक्टरों की निगरानी करते एक बाइक को जब्त किया।पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक को डिटेन कर थाने लाकर खड़ा किया। इसकी सूचना माइनिंग विभाग को दी। माइनिंग विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के बजरी माफियों में हड़कंप मच गया। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अवैध बजरी खनन के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी

गैंगरेप के बाद आपस में झगड़े, 1 की मौत

पिता का दावा- पुलिस परेशान कर रही, हत्या के आरोप में परिजनों को गिरफ्तार किया; आरोपी अब तक फरार

भरतपुर। भरतपुर में 9वीं क्लास में पढ़ने वाली लड़की से 5 युवकों ने गैंगरेप किया। गैंगरेप के दौरान युवकों में झगड़ा हुआ और एक युवक की हत्या कर दी गई। आरोप है कि अब पुलिस ने पीड़िता के परिजनों को हत्या के आरोप में पकड़ लिया है। वहीं गैंगरेप करने वाले सभी आरोपी वारदात के बाद से फरार हैं। पीड़िता के परिजनों का आरोप है पुलिस ने मिलीभगत कर हमारे परिवार के ममेरे भाइयों को जेल में डाल दिया है। वहीं पीड़िता भी स्कूल जाने से डर रही है। मामले में थाना पुलिस का आरोप है कि दोनों मामलों में जांच चल रही है।

कट्टे की नोक पर किडनैप कर खेत में ले गए

एसपी ऑफिस पहुंचे पीड़िता के परिजनों ने बताया कि जून के महीने में हमारी बेटी अपनी नानी के यहां रहने के लिए गई थी। रात करीब 3 बजे बेटी अपनी नानी के घर में सो रही थी। तभी गांव के ही दो युवक घर में घुसे और लड़की को पकड़ लिया। दोनों युवकों के हाथ में कट्टा था।

दोनों युवकों ने पीड़िता को धमकी दी कि अगर वह शोर मचाएगी तो, वह उसकी नानी को जान से मार देंगे। दोनों युवक पीड़िता को घर के पीछे खेतों में ले गए। वहां पहले से 3 युवक और मौजूद थे। खेतों में पांचों लड़कों ने लड़की के साथ गैंगरेप किया।

युवकों में हुआ झगड़ा

परिजनों का दावा है कि घटना के दौरान सभी युवकों में आपस में झगड़ा होने लगा। तब चारों युवकों ने मिलकर एक युवक की पिटाई कर दी। मौका पाकर लड़की अपनी नानी के घर आ गई। पीड़िता ने अपने मामा को घटना के बारे में बताया। कुछ देर बाद घायल हुए युवक के परिजन पीड़िता के घर पहुंचे और, पीड़िता के परिजनों से झगड़ा करने लगे।

घायल युवक को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़िता के परिजनों ने दुष्कर्म की FIR दर्ज करवाई और मृत युवक के परिजनों ने पीड़िता के परिजनों के खिलाफ मर्डर की स्नङ्खक्रदर्ज करवाई। पीड़िता से दुष्कर्म करने वाले आरोपी सभी फरार हैं। वहीं हत्या के आरोप में पुलिस ने पीड़िता के परिजनों को बंद कर दिया है। आरोपी लगातार पीड़िता और उसके परिजनों को धमकियां दे रहे हैं। डर के कारण पीड़िता स्कूल भी नहीं जा पा रही।

घरेलू विवाद के कारण युवक ने लगाई फांसी

पत्नी को लेने आया था ससुराल, नशे का था आदी, पुलिस जांच में जुटी

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ के भदेसर थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में एक 38 वर्षीय युवक ने अपने ससुराल में फांसी लगाकर जान दे दी। युवक कुछ दिन पहले ही इंदौर से अपनी पत्नी को वापस साथ ले जाने के लिए आया था।

बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था और युवक नशे का आदी था। घटना के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

पत्नी को लेने आया था, ससुराल में उठाया यह कदम

भदेसर थाना क्षेत्र के दौलतपुरा गांव में रहने आई अपनी पत्नी को लेने आए उदयपुर जिले के मावली थाना क्षेत्र के मंडप गांव निवासी 38 वर्षीय भगवतीलाल उर्फ भगवान लाल नाई ने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भगवतीलाल इंदौर में हलवाई और कैटरिंग का काम करता था।

भदेसर थाने के ASI सुनील महाजन ने बताया कि वह करीब चार-पांच दिन पहले इंदौर से दौलतपुरा पहुंचा था। परिवार के लोगों ने बताया कि उसकी पत्नी कुछ समय पहले उसे छोड़कर अपने मायके आ गई थी। इसके बाद भगवतीलाल उसे वापस साथ ले जाने के लिए यहां आया था। इसी दौरान उसने ससुराल में फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि भगवतीलाल शराब पीने का आदी था। बताया गया कि वह पिछले तीन-चार दिनों से लगातार शराब पी रहा था। परिजनों और पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था। करीब 10 से 15 दिन पहले भी दोनों के बीच गांव में झगड़ा हुआ था। इसके बाद भगवतीलाल इंदौर चला गया था, जबकि उसकी पत्नी अपना सामान लेकर दौलतपुरा स्थित मायके आ गई थी। जब उसे पता चला कि पत्नी मायके में है तो वह उसे वापस ले जाने के लिए यहां पहुंचा। पुलिस का मानना है कि दोनों के बीच फिर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई होगी, जिसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। हालांकि आत्महत्या के पीछे की असली वजह की जांच की जा रही है।

परिवार में सिर्फ पति-पत्नी ही थे, भतीजे को मिला फोन

मृतक के भतीजे दुर्गेश नाई ने बताया कि उसे उसकी चाची का फोन आया था कि उसके चाचा ने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने पर वह जिला हॉस्पिटल पहुंचा। भदेसर थाने के एएसआई सुनील महाजन ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

'वाराणसी' की शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंचीं

प्रियंका चोपड़ा

बेटी मालती को गोद में थामे दिखे निक जोनस

फिल्म इंडस्ट्री के सबसे मशहूर फिल्ममेकर्स में से एक एसएस राजामौली की अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' का ऑडियंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है. भारी भरकम बजट में बन रही इस फिल्म में महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा लीड रोल में नजर आएंगे. लंबे वक्त से इस फिल्म को लेकर बज बना हुआ है. इसी बीच, प्रियंका चोपड़ा अपनी इस अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के लिए हैदराबाद पहुंच गई हैं. रविवार को उन्हें हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. इस दौरान उनके साथ पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस भी नजर आईं. जोनस फैमिली का ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.1200 करोड़ के बजट में बन रही एसएस राजामौली की 'वाराणसी' की शूटिंग हैदराबाद में पहले ही शुरू की जा चुकी है और इसके बड़े एक्शन सीन्स शूट किए भी जा चुके हैं. अब लगभग 80 दिनों के छोटे कनेक्टिंग सीन की शूटिंग बाकी है, जिसके लिए प्रियंका चोपड़ा हैदराबाद पहुंच गई हैं. उनके साथ पति निक जोनस और बेटी मालती भी पहुंची हैं.

हैदराबाद पहुंची प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा को 26 जुलाई, रविवार को हैदराबाद एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. वायरल वीडियो में निक जोनस अपनी बेटी मालती को गोद में लिए एयरपोर्ट से बाहर निकलते दिखाई दे रहे हैं. पिता-बेटी की ये प्यारी बॉन्डिंग फैंस का दिल जीत रही है. वहीं, प्रियंका उनके साथ चलती दिखाई दीं. एयरपोर्ट लुक की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा ब्राउन को-ऑर्ड सेट में नजर आईं. उन्होंने अपने लुक को बेज कैप और ब्लैक सनग्लासेस के साथ पूरा किया. वहीं, निक जोनस ऑल-ब्लैक को-ऑर्ड आउटफिट और स्टाइलिश सनग्लासेस में दिखाई दिए.

प्रियंका और निक का ये एयरपोर्ट वीडियो सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. खासकर मालती के साथ निक की क्यूट बॉन्डिंग पर फैंस जमकर प्यार बरसा रहे हैं. निक जोनस और प्रियंका चोपड़ा ने साल 2018 में राजस्थान के जोधपुर में उमेद भवन पैलेस में हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी.

कब रिलीज होगी वाराणसी ?

प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की 'वाराणसी' के साथ भारतीय सिनेमा में वापसी करने के लिए तैयार हैं. इस पैन-इंडिया प्रोजेक्ट में महेश बाबू के अलावा पृथ्वीराज सुकुमारन अहम रोल में हैं. इसकी शूटिंग भारत के कई राज्यों के साथ-साथ केन्या में भी हो चुकी है. खबरों के मुताबिक, टीम महेश बाबू की इस फिल्म के कुछ अहम सीन अंटार्कटिका में शूट करने की प्लानिंग बना रही है. ये फिल्म 21 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है.

ओडिशा की ज्योतिर्मयी नायक के सिर सजा 'इंडियन आइडल 16' का ताज, कैंसर मरीजों के लिए गाती थीं गाना

सोनी टीवी के सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल सीजन 16' को आखिरकार अपनी नई विनर मिल गई है. महीनों के कड़े मुकाबले, मुश्किल ऑडिशन्स और एक से बढ़कर एक परफॉर्मेंस के बाद ओडिशा की रहने वाली ज्योतिर्मयी नायक ने 'इंडियन आइडल 16' की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है. 'यादों की प्लेलिस्ट' थीम वाले इस सीजन के धमाकेदार ग्रैंड फिनाले में ज्योतिर्मयी ने अपने पांच तगड़े कॉम्पिटिटर्स अंशिका चोनकर, मनराज वीर सिंह, मायसिमे बसु, सुहैल सूफी और तनिष्क शुक्ला को पीछे छोड़ते हुए यह ऐतिहासिक जीत हासिल की. उन्हें चमचमाती ट्रॉफी के साथ 20 लाख रुपये और सोनी टीवी की तरफ से सिंगिंग कॉन्ट्रैक्ट मिला है, जिसके तहत वो उनके म्यूजिक कॉन्सर्ट में परफॉर्म करेंगी.

ग्रैंड फिनाले की शाम ज्योतिर्मयी ने स्टेज पर आते ही 'सैयां ओ सैयां' गाने पर अपनी जादुई आवाज से समां बांध दिया. उनकी इस परफॉर्मेंस पर जज से लेकर वहां मौजूद हर खास मेहमान झूमने पर मजबूर हो गया. पूरे सीजन में ज्योतिर्मयी ने अपनी गायकी से कई दिग्गजों का दिल जीता. शो में जब बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी आईं, तो ज्योतिर्मयी के गाने 'ओ जब तक है जान' पर उन्होंने खड़े होकर स्टैंडिंग ओवेशन दिया था. वहीं, मशहूर एक्ट्रेस लीना चंदावरकर ज्योतिर्मयी की आवाज में 'जाने क्यों लोग मोहब्बत किया करते हैं' सुनकर इतनी भावुक हो गई थीं कि उन्होंने इस गाने को दोबारा सुनने की ख्वाहिश जताई थी.

कैंसर मरीजों को 'म्यूजिक थेरेपी' देने से 'इंडियन आइडल' की ट्रॉफी तक!

ओडिया म्यूजिक इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकीं ज्योतिर्मयी की कहानी सिर्फ एक सिंगर की नहीं, बल्कि एक हीलर की भी है. इंडियन आइडल के मंच पर कदम रखने से पहले ज्योतिर्मयी कैंसर के मरीजों के लिए गाना गाकर उन्हें 'म्यूजिक थेरेपी' देने का काम करती थीं. अपनी सुरीली आवाज से मरीजों का दर्द कम करने वाली इस सिंगर को जब आज देश ने विनर बनाया, तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े. जीत के बाद क्या बोलीं ज्योतिर्मयी नायक?ट्रॉफी हाथ में थामते ही ज्योतिर्मयी बेहद भावुक नजर आईं. उन्होंने अपनी इस ऐतिहासिक जीत पर टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की खास बातचीत में कहा, इंडियन आइडल 16 का खिताब जीतना किसी सपने जैसा लग रहा है.

अब 'सोचना और बदलना पड़ेगा'... KBC 18 के प्रोमो में अमिताभ बच्चन ने जो कहा, समझें उसके मायने

स्वतंत्रता दिवस से पहले अमिताभ बच्चन का चर्चित्र यानी कौन बनेगा करोड़पति गेम शो का एक बार फिर आगाज होने जा रहा है. तारीख है- 10 अगस्त. यह केबीसी का 18वां सीजन होगा. इस बार इसमें कई बदलाव देखने को मिलेंगे. गेम शो शुरू होने से पहले इसके एक नहीं, बल्कि बारी-बारी से चार प्रोमो आए हैं. सभी प्रोमो सुर्खियों में हैं. इसके कंटेंट चर्चा का विषय है. ये प्रोमो एक-दूसरे को आगे बढ़ाने वाले हैं. यह सही है कि केबीसी पैसे जीतने का खेल है लेकिन इसकी बानगी में समय की धड़कन को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है.

अमिताभ बच्चन अपने अंदाज और संवाद में मौजूदा समय के मिजाज को बहुत ही बारीकी से पकड़ते हैं और उसे बहुत ही थ्रिल के साथ प्रस्तुत करते हैं- केबीसी 18 के प्रोमोज में एक बार फिर बिग बी ने आज की पीढ़ी को जो मैसेज दिया है, इसे विस्तार से समझने की जरूरत है.

शो के रोचक और रोमांचक होने की संभावना

ये प्रोमोज बताते हैं इस बार केबीसी 18 का कांसेप्ट कुछ अलग होने जा रहा है. रोचक और रोमांचक तो होगा ही यह जानकारी का नया विधान प्रस्तुत करने वाला भी होगा. यहां प्रतियोगियों की कड़ी परीक्षा होने वाली है. किसी भी सवाल का जवाब महज रटा-रटाया उत्तर नहीं होगा बल्कि जीतने के लिए अब दिमाग लगाना पड़ेगा. तर्कशील होना होगा. इसलिए इन प्रोमोज में अमिताभ इस बात पर जोर देते हैं कि सोचना पड़ेगा और बदलना पड़ेगा.

केबीसी 18 के पहले प्रोमो में अमिताभ बच्चन कहते हैं- आजकल जवाब हर जगह मिलने लगा है, आपकी जेब में भी. मतलब मोबाइल फोन पर. इसलिए इस बार केबीसी में कुछ बदलने का प्रयत्न किया गया है. अमिताभ आगे कहते हैं- केवल जवाब याद रखने से ही काम नहीं चलेगा बल्कि जवाब के लिए अब सोचना भी पड़ेगा. मतलब कि तर्क करना भी पड़ेगा .

एआई की आदत ने सोचने की शक्ति कम की

केबीसी 18 का यह प्रोमो ऐसे समय में आया है जब आज के दौर में एआई, चैटजीपीटी, वाट्सऐप ग्रुप्स आदि ने नई पीढ़ी को बहुत ही सुविधाभोगी बना दिया है. किसी भी सवाल के लिए नई-नई तकनीक का सहारा लेने की आदत बढ़ती जा रही है. एआई से किसी भी सवाल का रटा रटाया सा जवाब तो पाया जा सकता है लेकिन सोचा-विचारा नहीं जा सकता. बुद्धिजीवी और रचनाकार जमात पहले से ही इस पर सवाल उठा रही थी कि एआई सोच नहीं सकता, एआई कल्पना नहीं कर सकता- अब अमिताभ के इस प्रोमो में भी इसी बात की ओर इशारा किया गया है.

अजय देवगन

की 'चौहान' में विक्रांत मैसी की एंट्री, निभाएंगे ऐसा किरदार

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'मुसाफिर कैफे' को लेकर चर्चा में चल रहे हैं, जो हाल ही में नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई. इस रोमांटिक सीरीज को काफी पसंद किया जा रहा है. इसी बीच, पता चला है कि विक्रांत मैसी की साल 2026 की सबसे बड़ी एक्शन एंटरटेनर में एंट्री हो गई है. खबर है कि अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'चौहान' में विक्रांत मैसी को एक बड़ा रोल मिल गया है और उनके किरदार से फिल्म में बड़ा ट्विस्ट आने वाला है.जून 2026 में अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'चौहान' की अनाउंसमेंट हुई और अब इसे लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, विक्रांत मैसी इस फिल्म की स्टारकास्ट का हिस्सा बन गए हैं. बताया जा रहा है कि वो फिल्म में एक अहम निगेटिव किरदार निभाते नजर आएंगे. आइए जानते हैं इससे जुड़ी और जानकारी.

चौहान में विक्रांत मैसी की एंट्री

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आनंद एल राय ने अजय देवगन की एक्शन फिल्म 'चौहान' में विक्रांत मैसी को एक अहम रोल के लिए साइन कर लिया है. सच्ची घटनाओं पर आधारित इस एक्शन थ्रिलर में विक्रांत मैसी ऐसे अवतार में दिखाई देंगे, जो पहले कभी नहीं देखा गया होगा. विक्रांत एक ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगे और अजय देवगन के साथ उनकी टक्कर होगी यानी 'चौहान' में विक्रांत मैसीन और अजय देवगन आमने-सामने होंगे.

कब रिलीज होगी चौहान ?

रिपोर्ट्स की मानें तो विक्रांत को 'चौहान' की स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई और उन्होंने इस किरदार के लिए तुरंत हां कह दिया. 'चौहान' की शूटिंग 2026 के आखिर में शुरू होने वाली है और इसे 1 अक्टूबर 2027 को थिएटरों में रिलीज किया जाएगा. फिलहाल प्री-प्रोडक्शन का काम जोर-शोर से चल रहा है. इस फिल्म का डायरेक्शन नीरज यादव ने किया है. इसे जियो स्टूडियोज और कलर येलो प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया गया है.

कॉमनवेल्थ गेम्स : भारतीय बॉक्सरों ने अब तक पक्के किए रिकॉर्ड 10 मेडल

गुलवीर सिंह 10 हजार मी. दौड़ में पदक पाने वाले पहले भारतीय बने

● नई दिल्ली

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में सातवां दिन भारतीय मुक्केबाजों के नाम रहा। भारत ने इस इवेंट में अब तक 10 मेडल पक्के कर लिए हैं। जैस्मिन ने सेमीफाइनल में जगह बनाई और इसी के साथ भारत का एक कॉमनवेल्थ में ये बॉक्सिंग में सबसे अधिक मेडल बन गया है। लॉन बाउल्स के फाइनल में भारतीय खिलाड़ियों ने जगह बना ली है। अब तक भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में कुल 22 मेडल पक्के कर लिए हैं। भारत मेडल टैली में 7वें स्थान पर मौजूद है। उसके खाते में अब तक दो गोल्ड, 8 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज आए हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया 33 गोल्ड, 17 सिल्वर और 27 ब्रॉन्ज सहित कुल 77 मेडल्स के साथ पदक तालिका में सबसे ऊपर बना हुआ है।

इसके कुछ ही मिनट बाद गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में ऐतिहासिक सिल्वर मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वह कॉमनवेल्थ गेम्स के इतिहास में इस स्पर्धा में पोडियम पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने। लगातार बारिश और पानी से भरे ट्रैक के बावजूद गुलवीर ने शानदार धैर्य दिखाया। उन्होंने आखिरी दौर में तेज रफ्तार पकड़ी और मेडल की दौड़ में जगह बनाई। गुलवीर ने 27:49.78 का समय निकाला और ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन से सिर्फ 0.85 सेकंड पीछे रहे। रॉबिन्सन ने 27:48.93 के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। इसके बाद क्लीन एंड जर्क में हरजिंदर ने 123 किलोग्राम वजन उठाया और फिर 126 किलोग्राम के साथ अपना कुल स्कोर 227 किलोग्राम तक पहुंचाया।

मुरली श्रीशंकर ने जीता सिल्वर

लॉन्ग जम्पर मुरली श्रीशंकर ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को 13वां मेडल दिलाया। उन्होंने बुधवार देर रात पुरुष लॉन्ग जंप इवेंट में 8.09 मीटर की छलांग लगाई और सिल्वर हासिल किया। एक अन्य भारतीय लोकेश सत्यनाथन (7.97 मीटर) 5वें स्थान पर रहे। मुरली के मेडल के बाद भारत मेडल टैली में 2 गोल्ड, 8 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज के सहारे 9 नंबर पर है।

अरुंधति का पदक पक्का

भारत की एक अन्य मुक्केबाज अरुंधति चौधरी ने सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही पदक पक्का कर लिया है। अरुंधति का महिला 70 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में न्यूजीलैंड की मोर्गन हेंडरसन से सामना हुआ। अंरुधति ने इस मैच में दमदार प्रदर्शन किया और 3-1 के खंडित फैसले में जीत दर्ज की।

सचिन सिवाच को भी पदक मिलना तय

भारतीय मुक्केबाजों का दमदार प्रदर्शन जारी है और अब सचिन सिवाच ने भी राष्ट्रमंडल खेलों में पदक पक्का कर लिया है। सचिन सिवाच ने पुरुष 60 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में बोत्सवाना के ट्रेजर मोरेमी को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। आज अब तक तीनों भारतीय मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाकर पदक पक्के किए हैं। इससे पहले, मंगलवार को तीन मुक्केबाजों ने पदक पक्के किए थे।

जैस्मिन सेमीफाइनल में

जैस्मीन लंबोरिया ने अंतिम राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड की एलिस ग्लिन को 57 किलोग्राम वर्ग के क्वार्टर फाइनल में 5-0 से हराकर 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल की। इस जीत के साथ जैस्मीन सेमीफाइनल में पहुंच गई और बुधवार को पदक जीतने वाली छठी भारतीय मुक्केबाज बन गई हैं। भारत ने बुधवार को मुक्केबाजी में छह पदक पक्के किए। राष्ट्रमंडल खेलों के सातवें दिन भारत के छह मुक्केबाज क्वार्टर फाइनल में उतरे थे।

साक्षी टॉप-4 में पहुंचने वाली 5वीं मुक्केबाज

महिला बॉक्सिंग की 70 किलोग्राम वेट कैटेगरी में अरुंधति ने न्यूजीलैंड की मॉर्गन एडरसन को 3-1 से हराया। साथ ही 51 किलोग्राम वेट कैटेगरी में साक्षी चौधरी ने नॉर्दन आयरलैंड को कैथलीन फ्रेयर को 5-0 से हराया। वहीं भारत के स्टार धावक अनिमेष कुजूर ने 200 मीटर स्प्रिंट में अपनी हीट में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया।

उन्होंने हीट्स में 20.46 सेकंड का समय लिया। उनकी हीट में इमैनुएल एसेमे और म्वुयो मॉस जैसे धावक थे, लेकिन अनिमेष ने पहला स्थान हासिल किया। हालांकि, अभी सेमीफाइनल के लिए वह आधिकारिक तौर पर क्वालिफाई नहीं किए हैं, लेकिन कॉमेंटेटर्स के मुताबिक वह सेमीफाइनल में क्वालिफाई कर जाएंगे। कुल 10 हीट्स हैं और हर हीट में करीब सात धावक हैं। इन लगभग 70-75 धावकों में से सर्वश्रेष्ठ समय वाले 16 धावक सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे। अभी जितनी हीट हुई हैं, उन्हें मिलाकर कुजूर फिलहाल पांचवें स्थान पर हैं।

नीरज चोपड़ा के सामने होंगे पाकिस्तान के नदीम

आज जैवलिन थ्रो का क्वालिफिकेशन राउंड

● नई दिल्ली

राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा इस बार अपने सबसे रोमांचक दौर में पहुंच गई है। गुरुवार को भाला फेंक इवेंट की शुरुआत होगी। ग्लासगो में दक्षिण एशिया के तीन दिग्गज एथलीट स्वर्ण पदक के प्रबल दावेदार के रूप में उतर रहे हैं, जिससे यह मुकाबला बेहद दिलचस्प हो गया है। भारत के नीरज चोपड़ा आठ साल पहले गोल्ड कोस्ट में जीते अपने राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक का बचाव करेंगे।

बर्मिंघम 2022 में चोट के कारण वह हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले एक वर्ष में उनका प्रदर्शन मिक्स्ड रहा। मई 2025 में उन्होंने 90.23 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर 90 मीटर की दूरी पार करने वाले पहले भारतीय बनने का इतिहास रचा, लेकिन इसके बाद विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहकर निराश किया।

अरशद नदीम और रुमेश थरंगा पथिरागे एक्शन में होंगे

पाकिस्तान के अरशद नदीम मौजूदा ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन हैं। 92.97 मीटर के एशियाई रिकॉर्ड के साथ वह इस स्पर्धा के सबसे मजबूत दावेदारों में शामिल हैं। वहीं, श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने इस सत्र में रोम डायमंड लीग में 92.62 मीटर का विश्व सीजन का सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर सबका ध्यान खींचा। यह किसी एशियाई खिलाड़ी का दूसरा सबसे लंबा थ्रो है। तीनों खिलाड़ियों के नाम 90 मीटर से अधिक के राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज हैं।

नीरज चोपड़ा की 8 साल बाद कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी

नीरज चोपड़ा ने आखिरी बार 2018 गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स में हिस्सा लिया था। उस टूर्नामेंट में उन्होंने 86.47 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। इसके बाद वह बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में हिस्सा नहीं ले पाए थे। चोट के कारण उन्हें उस टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा था। यानी अब 8 साल बाद नीरज की कॉमनवेल्थ गेम्स में वापसी हो रही है। नीरज भारत की 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम का हिस्सा हैं और इस बार भी उनसे मेडल की बड़ी उम्मीदें हैं।

वैभव सूर्यवंशी बने दिलीप ट्रॉफी ईस्ट जोन टीम के उपकप्तान, ईशान को मिली कमान

मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी टीम में किए गए शामिल

● नई दिल्ली

भारतीय घरेलू क्रिकेट के प्रतिष्ठित टूर्नामेंट दिलीप ट्रॉफी 2026 के लिए ईस्ट जोन टीम का ऐलान कर दिया गया है।

युवा और अनुभवी खिलाड़ियों से सजी इस टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि बिहार के युवा सनसनी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान नाया गया है। छोटी उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद वैभव के अपने आप को एक और भूमिका में साबित करने का मौका होगा। ईस्ट जोन की ओर से ऐलान की गई टीम में ईशान किशन को कप्तान बनाया गया है।

ईस्ट जोन की टीम

ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप कुमार घरामी, शाहबाज अहमद, सूरज सिंधु जायसवाल, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, अनुकूल रॉय, विराट सिंह, शुभ्रांशु सेनापति, डेनिश दास और अभिजीत सरकार।

टी20 में वैभव की 230 स्थानों की बड़ी छलांग

दुबई । भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाज रैंकिंग में फिर से दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर वापसी की। मिचेल इस साल जनवरी से नंबर-एक पर काबिज थे, लेकिन हालिया वेस्टइंडीज-न्यूजीलैंड सीरीज में नहीं खेलने का फायदा गिल को मिला। वहीं, महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। वैभव ने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज में दो अर्धशतक लगाए और 50.33 की औसत से 151 रन बनाए।

अनुकूल और शाहबाज को मिली जगह

गेंदबाजी विभाग में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार को शामिल किया गया है। दोनों ही गेंदबाजों के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का अनुभव है और उनकी मौजूदगी से टीम का पेस अटैक काफी मजबूत नजर आ रहा है। इनमें से शमी के प्रदर्शन पर भी खासी नजर होने वाली है, क्योंकि कुछ क्रिकेट एक्सपर्ट का मानना है कि उन्हें वर्ल्ड कप 2027 की टीम में होना चाहिए।

एशियन गेम्स के लिए हॉकी इंडिया ने टीम की घोषणा की

● नई दिल्ली

जापान के आइची नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियन गेम्स के लिए हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय टीम का एलान कर दिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी टीम गोल्ड मेडल के लिए चुनौती पेश करेगी। स्क्वाड में मोहित और सूरज करकेरा गोलकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, कप्तान हरमनप्रीत के अलावा जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच रक्षा पंक्ति का काम करेंगे। ये भारत की डिफेंस लाइन होगी। मिडफील्ड के रूप में राजिंदर सिंह, राज कुमार पाल, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा और विवेक सागर टीम में शामिल किए गए हैं।

हरमनप्रीत करेंगे कप्तानी

डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में सबसे नीचे आया पाक

वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 90 रन से रौंदा

● नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक बार फिर बड़ी फजीहत हुई। वेस्टइंडीज दौरे पर मौजूद पाक टीम को पहले टेस्ट में 90 रन की बड़ी हार मिली है।

जिसकी वजह से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में पड़ोसियों के हालात बेहद बुरे हो गए हैं। यहां तक कि बांग्लादेश और वेस्टइंडीज भी पाकिस्तान से आगे है। पाकिस्तान का वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 में अब तक बेहद खराब प्रदर्शन रहा है। टीम ने 5 में से सिर्फ 1 टेस्ट जीता है। इसी वजह से पाकिस्तान सिर्फ 4 अंकों और 6.67 प्रतिशत पीसीटी के साथ पॉइंट्स टेबल में आखिरी यानी 9वें स्थान पर है। वहीं भारत पांचवें स्थान पर है।

वायुसेना ने श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को हराया

नाओरेम सोमनंदा सिंह का शानदार गोल

● नई दिल्ली

नाओरेम सोमनंदा सिंह के शानदार गोल और दूसरे हाफ में डिफेंडर्स एफसी के आत्मघाती गोल की मदद से भारतीय वायुसेना फुटबॉल टीम ने बुधवार को 135वें डूरंड कप के ग्रुप सी मुकाबले में श्रीलंका की डिफेंडर्स एफसी को 2-1 से हराया।

बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय वायुसेना के लिए नाओरेम ने 25वें मिनट में गोल किया, जबकि 68वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के के. डी. एस. संकल्पा ने गलती से गेंद अपने ही गोल में डाल दी। डिफेंडर्स की ओर से एन. एम. अफलाल ने 70वें मिनट में गोल किया।भारतीय वायुसेना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और श्रीलंकाई टीम को लगातार दबाव में रखा। 25वें मिनट में डिफेंडर्स एफसी के डिफेंडर संपत कुमार की गलती का फायदा उठाते हुए नाओरेम ने बॉक्स के बाहर से शानदार दाएं पैर का शॉट लगाकर टीम को बढ़त दिलाई। यह टूर्नामेंट में उनका तीसरा गोल था।

आइकोनिक इंटर स्कूल फुटबॉल कप 3 अगस्त से

● भोपाल

शहर के बिशेनखेड़ी स्थित द आइकोनिक स्कूल में आइकोनिक इंटर स्कूल अंडर-19 फुटबॉल कप का आयोजन 3 अगस्त से किया जाएगा। प्रतियोगिता का आयोजन नॉकआउट पद्धति से होगा, जिसमें शहर की 16 स्कूलों की टीमें भाग लेकर खिताब के लिए मुकाबला करेंगी। द आइकोनिक स्कूल की प्राचार्या सुमन पुरोहित दास ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय पहली बार इतने बड़े स्तर पर इंटर स्कूल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन कर रहा है। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के लिए उत्कृष्ट खेल सुविधाएं और बेहतर आयोजन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का बेहतर मंच मिल सके।

नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को कहा अलविदा

क्लब फुटबॉल खेलते रहेंगे ब्राजीली दिग्गज

● नई दिल्ली

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार जूनियर ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की पुष्टि कर दी है।

अब वे ब्राजील के लिए खेलते हुए दिखाई नहीं देंगे। 34 वर्षीय ने अपनी टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन वे विश्व कप नहीं जीत सके। अब उन्होंने अपने संन्यास की पुष्टि कर दी है और इस दौरान वे भावुक हो गए। हाल ही में समाप्त हुए फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ब्राजील की टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी थी। उन्हें टूर्नामेंट जीतने के लिए प्रबल दावेदार माना जाता है लेकिन टीम टॉप-4 में जह बनाने में नाकाम रही।

मूल्यांकन आईपीएल की बिजनेस एंटरप्राइज वैल्यू भी बढ़कर 20.6 अरब डॉलर हुई, 11.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

आरसीबी की ब्रांड वैल्यू करीब 2,985 करोड़ रुपए पर पहुंची

● नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैदान पर चौकों-छक्कों के रोमांच के साथ ही कारोबार की दुनिया में भी लगातार नए रिकॉर्ड बना रही है।

2026 की ब्रांड वैल्यूएशन रिपोर्ट के अनुसार, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) दुनिया की पहली क्रिकेट टीम बन गई है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 300 मिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर गई है। आरसीबी की मौजूदा ब्रांड वैल्यू 312 मिलियन डॉलर (करीब 2,985 करोड़ रुपए) आंकी गई है। वैश्विक निवेश बैंक हौलिहान लोके की रिपोर्ट के मुताबिक, आईपीएल की बिजनेस एंटरप्राइज वैल्यू भी बढ़कर 20.6 अरब डॉलर हो गई है। यह पिछले साल के मुकाबले 11.4 प्रतिशत अधिक है और लगातार दूसरे साल लीग ने दोहरे अंकों की ग्रोथ दर्ज की है।

वहीं आईपीएल की स्टैंड-अलोन ब्रांड वैल्यू 10.3 प्रतिशत बढ़कर 4.3 अरब डॉलर पहुंच गई है। 2023 के बाद से लीग की ब्रांड वैल्यू में 1.1 अरब डॉलर से ज्यादा का इजाफा हुआ है। आरसीबी ने लगातार दूसरे साल सबसे मूल्यवान आईपीएल फ्रेंचाइजी का स्थान बरकरार रखा।

मूल्यवान फ्रेंचाइजियों में मुंबई दूसरे स्थान पर रही

सबसे मूल्यवान फ्रेंचाइजियों की सूची में मुंबई इंडियंस 264 मिलियन डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके बाद कोलकाता नाइट राइडर्स 245 मिलियन डॉलर और चेन्नई सुपर किंग्स 244 मिलियन डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल हुए बड़े निवेश सौदों ने आईपीएल की व्यावसायिक ताकत को और मजबूत किया है। आरसीबी को 1.78 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर ब्लैकस्टोन, बोल्ट वेंचर्स, आदित्य बिड़ला ग्रुप और टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के कंसोर्टियम ने खरीदा।

1.06 अरब लोगों ने देखा आईपीएल

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी आईपीएल का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। आधिकारिक प्रसारक जियोस्टार के आंकड़ों के अनुसार, आईपीएल 2026 सीजन 1.06 अरब स्क्रीन तक पहुंचा, जबकि कुल व्यूअरशिप में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कनेक्टेड टीवी सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्लेटफॉर्म रहा, जहां पहुंच में 26 प्रतिशत का उछाल आया। इसके विपरीत पारंपरिक टीवी रेटिंग में 18.8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

राजधानी (न्यू बॉम्बे)	
दिन	रात
677 = 0	358 = 6
470 = 1	390 = 2
शुभांक	
दिन	रात
338 = 4	770 = 4
690 = 5	200 = 2
भाग्यांक	
2 4 6 8	

www.kalyangame.com

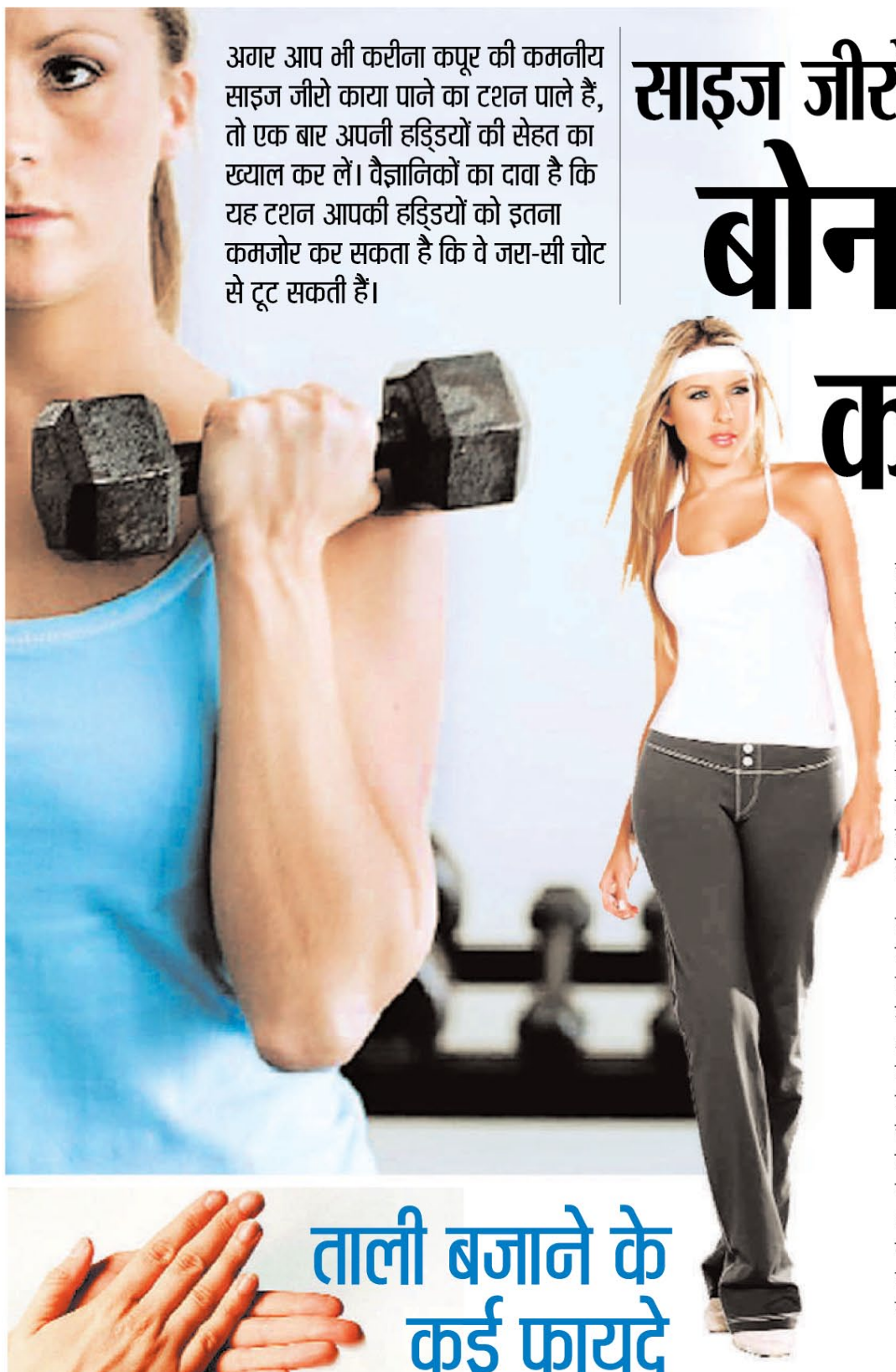

अगर आप भी करीना कपूर की कमनीय साइज जीरो काया पाने का टशन पाले हैं, तो एक बार अपनी हड्डियों की सेहत का ख्याल कर लें। वैज्ञानिकों का दावा है कि यह टशन आपकी हड्डियों को इतना कमजोर कर सकता है कि वे जरा-सी चोट से टूट सकती हैं।

साइज जीरो के टशन में बोन होंगी कमजोर

रिसर्चरों के हवाले से यह छापा है कि हड्डियों की मजबूती सीधे तौर पर फैट के लेवल से जुड़ी है। इसका मतलब है कि पतले होने का दबाव हड्डियों के टूटने के खतरे को बढ़ा सकता है। साइज जीरो का भूत लड़कियों और महिलाओं में ज्यादा चढ़ता है, जबकि रिसर्चर्स का कहना है कि उनमें हड्डियों का मजबूत होना ज्यादा जरूरी है, क्योंकि महिलाओं में हड्डियों के पतले होने या ऑस्टियोपरोसिस के अलावा कूल्हे की हड्डी टूटने का खतरा भी पुरुषों से तीन गुना ज्यादा होता है।

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के चीफ रिसर्चर प्रो. जॉन टोबियस कहते हैं कि लड़कियों पर पतले होने का दबाव बहुत ज्यादा होता है, लेकिन उन्हें समझना जरूरी है कि यह उनके बढ़ते हुए शरीर के लिए खतरा है और ऑस्टियोपरोसिस के खतरे को और बढ़ा देता है। लोग यह मानते हैं कि एक्सरसाइज वजन कम करने और हड्डियां मजबूत करने का काम साथ-साथ करती है, लेकिन यह एक हद तक ही सही है। अगर आप पैदल चल रहे हों, तो आपका वजन कम होगा, लेकिन हड्डियों का मजबूत होना जरूरी नहीं है। एक्सरसाइज में दौड़ने या कूदने का विकल्प हड्डियों को कुछ मजबूती जरूर देता है।

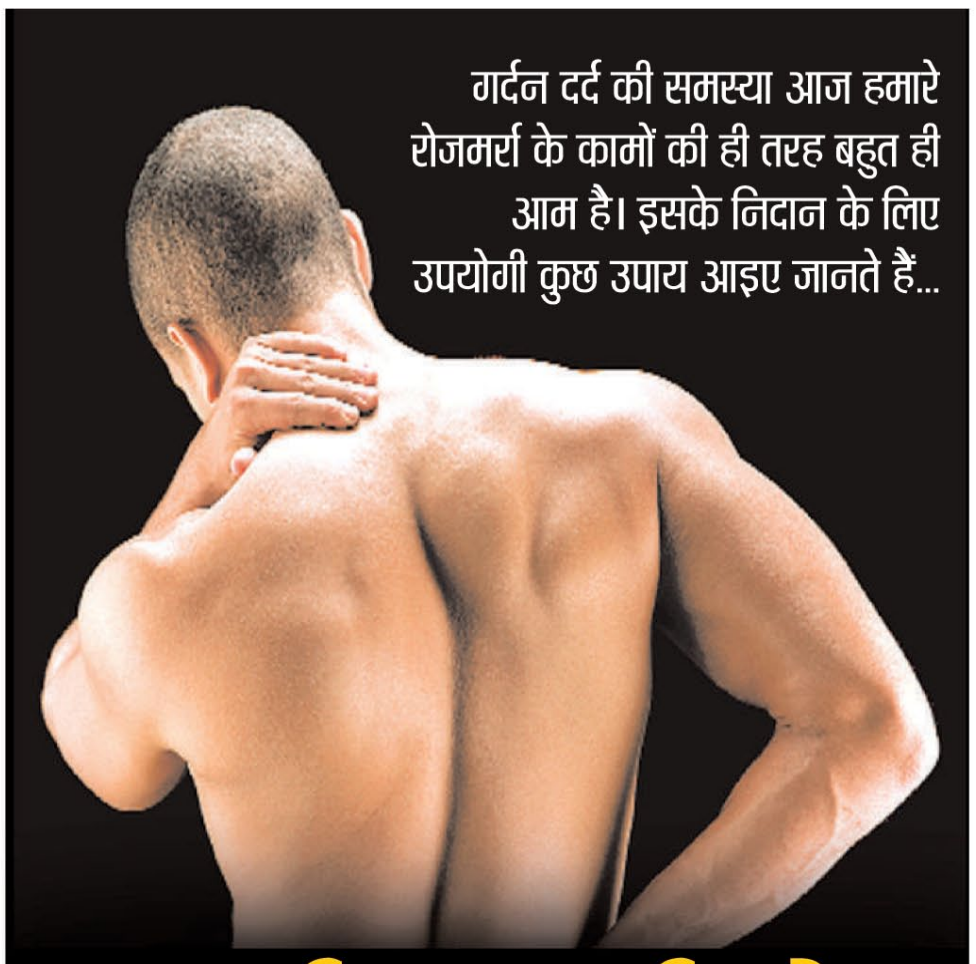

गर्दन दर्द की समस्या आज हमारे रोजमर्रा के कामों की ही तरह बहुत ही आम है। इसके निदान के लिए उपयोगी कुछ उपाय आइए जानते हैं...

गर्दन दर्द में कैसा करें व्यवहार

- गर्दन दर्द का कारण गर्दन को गलत दिशा में रखना तक हो सकता है। बहुत सी स्थितियों में गर्दन दर्द का कारक अधिक समय तक गर्दन की मांस पेशियों, लिगामेंट, टेंडन हड्डियों या जोड़ों का अधिक समय तक इस्तेमाल होता है।
- इसका कारण मांस-पेशियों और गले के जोड़ों में किसी प्रकार का सूजन या दबाव भी हो सकता है। सर्वाइकल स्पाइन में किसी भी प्रकार की चोट के कारण भी गर्दन दर्द हो सकता है, लेकिन ऐसा बहुत कम होता है।
- काम करते समय, पढ़ते समय, टी. वी. देखते समय या फोन पर बात करते समय गर्दन को अधिक समय तक आगे की ओर या गलत दिशा में रखना भी इस समस्या का जनक हो सकता है।
- ऐसी तकिया पर सिर रखकर सोना जो बहुत ज्यादा ऊंची या बहुत ज्यादा नीची हो, जिससे आपका सिर सही दिशा में ना रहता हो।
- अधिक समय तक चिंतक की स्थिति में बैठना। अधिक समय तक पेंटिंग का काम करना या शरीर के ऊपरी भाग का इस्तेमाल करने वाले काम करना।

अपनाएं ये उपाय

हालांकि गर्दन दर्द से बचने के बहुत से उपाय भी हैं जैसे आइस पैक लगाना, मसाज करना और दवाएं लेना, लेकिन सबसे अच्छा तरीका है बचाव की तकनीक अपनाना और निवारण, क्योंकि बचाव हमेशा इलाज से बेहतर होता है। हमारे शरीर के पोस्चर में थोड़ा सा भी परिवर्तन हमें दर्द से बचा सकता है।

सिर को सही मुद्रा में रखें

अपनी कुर्सी पर सीधा बैठ जाएं और अपने लोअर बैक को सपोर्ट दें। कुर्सी पर एक ही स्थिति में अधिक समय तक ना बैठें। गर्दन की मांस-पेशियों को आराम देने के लिए समय-समय पर छोटे ब्रेक लेते रहें।

हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल

अगर आप अधिक समय तक टेलीफोन का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसे में आपको हैडसेट या स्पीकर फोन का इस्तेमाल करना चाहिए।

कार सीट की अपराइट पोजीशन

कार की सीट को अपराइट पोज़ीशन में रखने से आपके सर और लोअर बैक को सपोर्ट मिलेगा। ध्यान रखें ड्राइव करते समय आपको स्टीयरिंग व्हील तक पहुंचने में जहमत ना उठानी पड़े और आपके हाथ आराम की स्थिति में होने चाहिए।

सही तकिया का इस्तेमाल

विशेष तरह की सर्वाइकल तकिया जो ना बहुत ज्यादा ऊंची हो, ना बहुत ज्यादा नीची हो, उनसे गर्दन के दर्द से राहत मिलती है। तकिया को इस प्रकार रखें कि आपको किताबें हाथों में ना उठानी पड़े।

प्रापर लिफ्टिंग तकनीक से मिलेगी मदद

शरीर का भार घुटनों पर ना उठाकर पीठ के बल उठाना ज्यादा अच्छा होगा और इससे गर्दन दर्द से भी आराम मिलेगा। तीव्र गर्दन दर्द से बचाव के लिए विशेषज्ञ स्वस्थ आदतें बनाने की सलाह देते हैं। ऑफिस या घर में तनाव से बचें, मसल रिलैक्सेशन एक्सरसाइज और मसाज से भी दर्द से राहत मिलती है। ऐसे में टहलने जैसे एरोबिक व्यायाम की भी सलाह दी जाती है। विशेषज्ञ ऐसी सलाह देते हैं कि धूम्रपान से घाव भरने में समय लगता है, क्योंकि इससे रक्त के संचय की गति धीमी हो जाती है और टिश्यूज के बनने में भी समय लगता है। गर्दन दर्द एक सामान्य समस्या है, जिसका कारण किसी प्रकार का संक्रमण, सर्वाइकल स्पाइनल स्टेनोसिस या यूर्मेटायड आर्थराइटिस हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर से सम्पर्क करना और सही तरीके की चिकित्सा लेना ही अच्छा विकल्प है। हममें से बहुत से लोगों के लिए गर्दन दर्द व्यस्त जीवनशैली या बुरी मुद्रा का प्रतीक है। इसका समाधान निकालना भी एक दर्द है, इसलिए अच्छा होगा कि गर्दन दर्द के कारणों से बचें, क्योंकि सर्वाइकल कालर भी आज फैशन से बाहर है।

ताली बजाने के कई फायदे

हमारे देश में आरती या भजन गाते समय ताली बजाने की जो प्रथा है। यह वैज्ञानिक है और शरीर और स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभदायक है। ताली बजाने से न सिर्फ रोगों के आक्रमण से रक्षा होती है, बल्कि कई रोगों का इलाज भी हो जाता है।

हाथों से नियमित रूप से ताली बजाकर कई रोग दूर किये जा सकते हैं। प्रतिदिन यदि नियमित रूप से कम से कम 1 या 2 मिनट ताली बजाई जाए तो शरीर की नसों का व्यायाम हो जाता है, रक्त प्रवाह तेज होता है। लगातार ताली बजाने से मानव शरीर में रोग प्रतिरोधक शक्ति की वृद्धि होती है।

एक्यूप्रेशर चिकित्सा विज्ञान की दृष्टि से देखा जाए तो हाथ की हथेलियों में शरीर के सभी आन्तरिक उत्सर्जन संस्थानों के बिन्दु होते हैं व ताली बजाने से जब इन बिन्दुओं पर बार-बार दबाव पड़ता है तो सभी आन्तरिक संस्थान ऊर्जा पाकर अपना काम सुचारु रूप से करते हैं- जिससे शरीर स्वस्थ और निरोग बनता है। ताली बजाने से शरीर की अतिरिक्त वसा कम होती है, जिससे मोटापा कम होता है, शरीर के विकार नष्ट होते हैं, वात, पित्त, कफ का संतुलन ठीक रहता है। ताली बजाना मन की प्रसन्नता का भी प्रतीक है। इस कारण प्रसन्नता में ताली बजाई जाती है।

कम्प्यूटर पर काम करते समय

मॉनीटर को इस प्रकार से रखें कि मॉनीटर का टाप आपकी आंखों की सीध में आए। स्क्रीन के ही स्तर पर एक डाक्युमेंट होल्डर भी रखें।

जानें अनार के औषधीय गुण

अनार को राजसिक फल भी कहते हैं। यह स्वादिष्ट मधुर, मीठा होता है और कई प्रकार के रोगों में औषधि के भी रूप उपयोग किया जाता है। इसके कुछ प्रमुख गुणों के बारे में आइए जानते हैं।

हृदय रोग में एथिरोस्क्लेरोसिस एक ऐसा रोग है, जिसमे धमनियों में जमाव (एथिरोमा) होने से धमनियों के दीवारे मोटी और कठोर हो जाती है, जिससे धमनी का रास्ता संकरा हो जाता है। इसमें रक्त के बहाव में रुकावट आती है। अनार धमनियों के अवरोध को खोलता है। यह तथ्य नवीनतम वैज्ञानिक खोजों से सिद्ध हो गया है। अनार रक्तवाहिनियों की आंतरिक लाइनिंग को अच्छा बनाते हुए रक्तचाप को संतुलित रखकर तथा एलडीएल से होने वाली हानि से बचाकर हृदय और रक्तवाहिनियों को सुरक्षा प्रदान करता है।

- धमनियों के अवरोधों को खोलने के लिए अनार का रस सदा सालों-साल 50 मिली, (आधा कप) पियें। शुरुआत में एक बार, फिर तीन बार पीते रहें या मीठे अनार खाते रहें।
- अनार के सेवन से ब्लड शुगर, एलडीएल या एचडीएल, कोलेस्ट्रोल लेबल पर भी कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। हृदय, गुर्दे और यकृत के कार्यों में भी कोई दिक्कत नहीं आती।
- हृदय की धड़कन को सुचारु रूप से चलने रहने नियंत्रित रहने हेतु 15 ग्राम अनार के ताजे पते बहूत बारीक पीसकर आधा गिलास पानी घोलकर छानकर पीयें। अनार का शरबत नित्य पीने से लाभ होता है।
- गर्भाशय का बाहर आना, क्रीमी होना, सोरायसिस, दाद, रक्तविकार इन समस्याओं में अनार के पते 4 किलोग्राम, ले कर पानी में धोकर छाया मं सुखाकर पीसकर बारीक छान ले, इसकी एक चम्मच पानी में नित्य एक बार फंकी लेते रहना लाभप्रद है।
- टीबी यानी राजयक्ष्मा) में अनार का रस लगातार पीने से लाभ मिलता है।
- 200 ग्राम तिल के तेल में अनार के पतों का रस एक किलो मिलाकर उबालें। उबालने पर जब तेल ही बचे तब ठंडा करके छानकर बोतल में भर लें।
- नित्य सोते समय इस तेल की मालिश से स्तन सुदृढ़ होते हैं। साथ में एक चम्मच अश्वगंधा चूर्ण गर्म दूध से सुबह-शाम लें।
- अनार के छिलके को सुखाकर बारीक पाउडर बनाकर गुलाब जल के साथ मिलाकर उबटन की तरह लगाने से त्वचा के दाग, चेहरे की झाइयां भी नष्ट हो जाती है। अनार छीलकर दाने निकलकर, सामान मात्रा में पपीते के गुदे में मिलाकर बारीक पीसकर चेहरे पर लेप करके आधे घंटे बाद धोएं।
- गर्भावस्था में उल्टी की समस्या से निजात पाने के लिए अनार खाएं, अनार का शर्बत पीएं, उल्टियां बंद हो जाएंगी। प्रातःकाल अनार का रस पीने से उल्टी नहीं आती।
- अनार रक्तवर्धक है, इससे त्वचा चिकनी बनती है, रक्त-संचार बढ़ता है। यह मूर्च्छा में, हाइपरटेंशन, अम्लपित्त, एसिडिटी, मूत्र जलन, उलटी, जी-मचलना, खट्टी-डकारें, घबराहट, प्यास आदि में लाभप्रद है।

॥ चमेलिया महादेव धाम,नोलखा की जय ॥

मेरे गुरूदेव, माता - पिता,

श्री पाबूजी महाराज व माता रानी

की असीम कृपा से

मेरे गुरूदेव

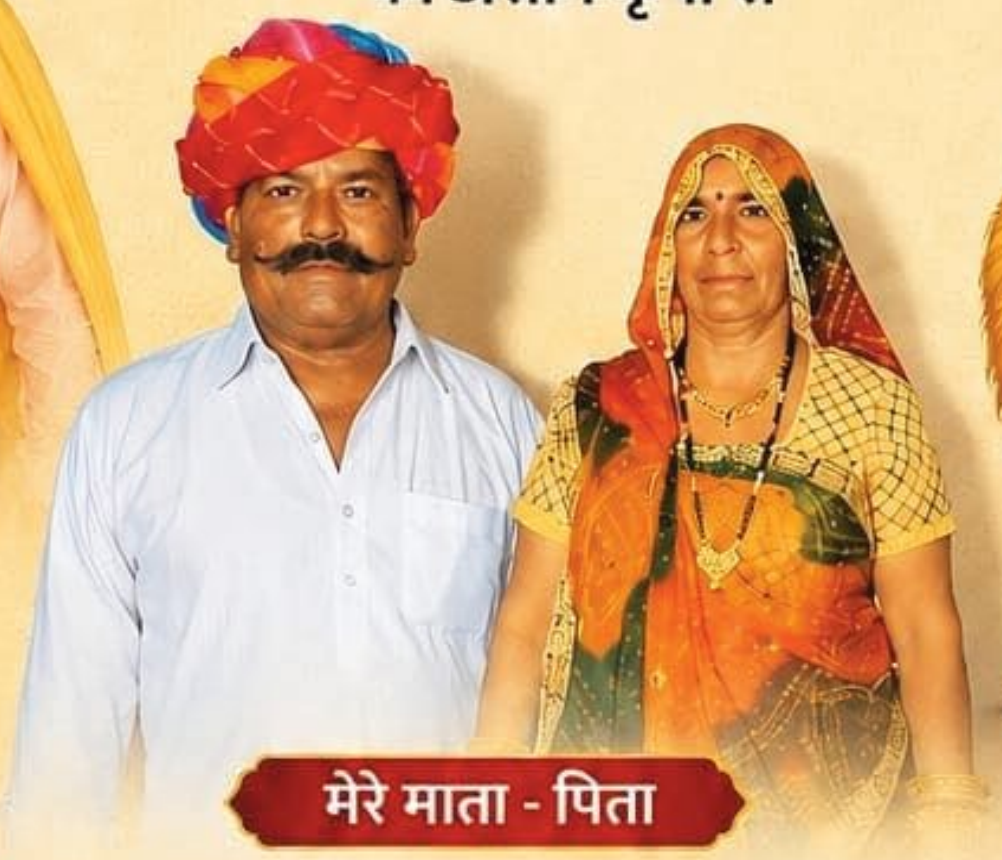

मेरे माता - पिता

माता रानी

आज का दिन हमारे लिए अत्यंत गर्व और आनंद का क्षण है!

आज सच इंडिया नेटवर्क

सच के साथ, देश की आवाज

का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ है।

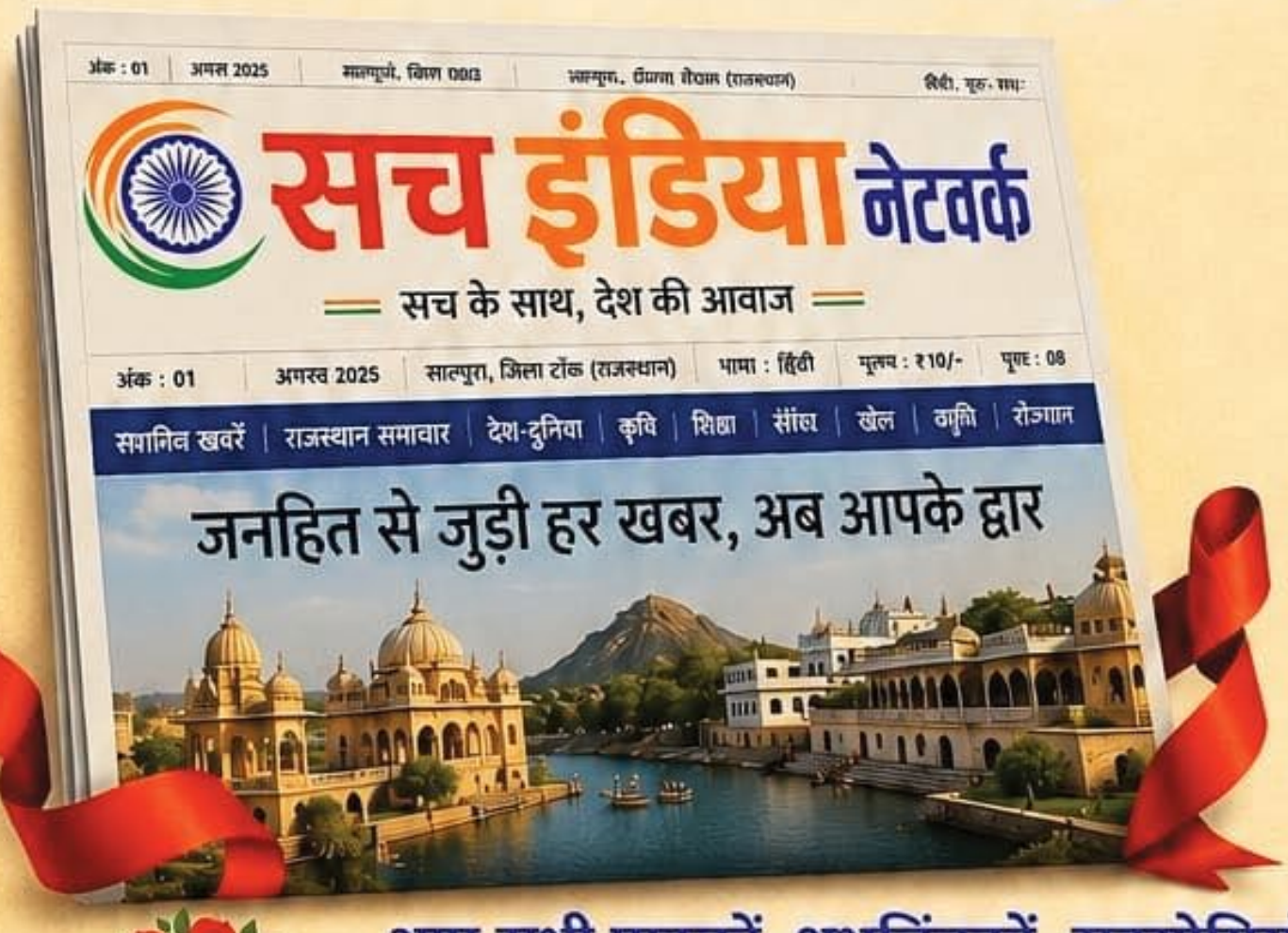

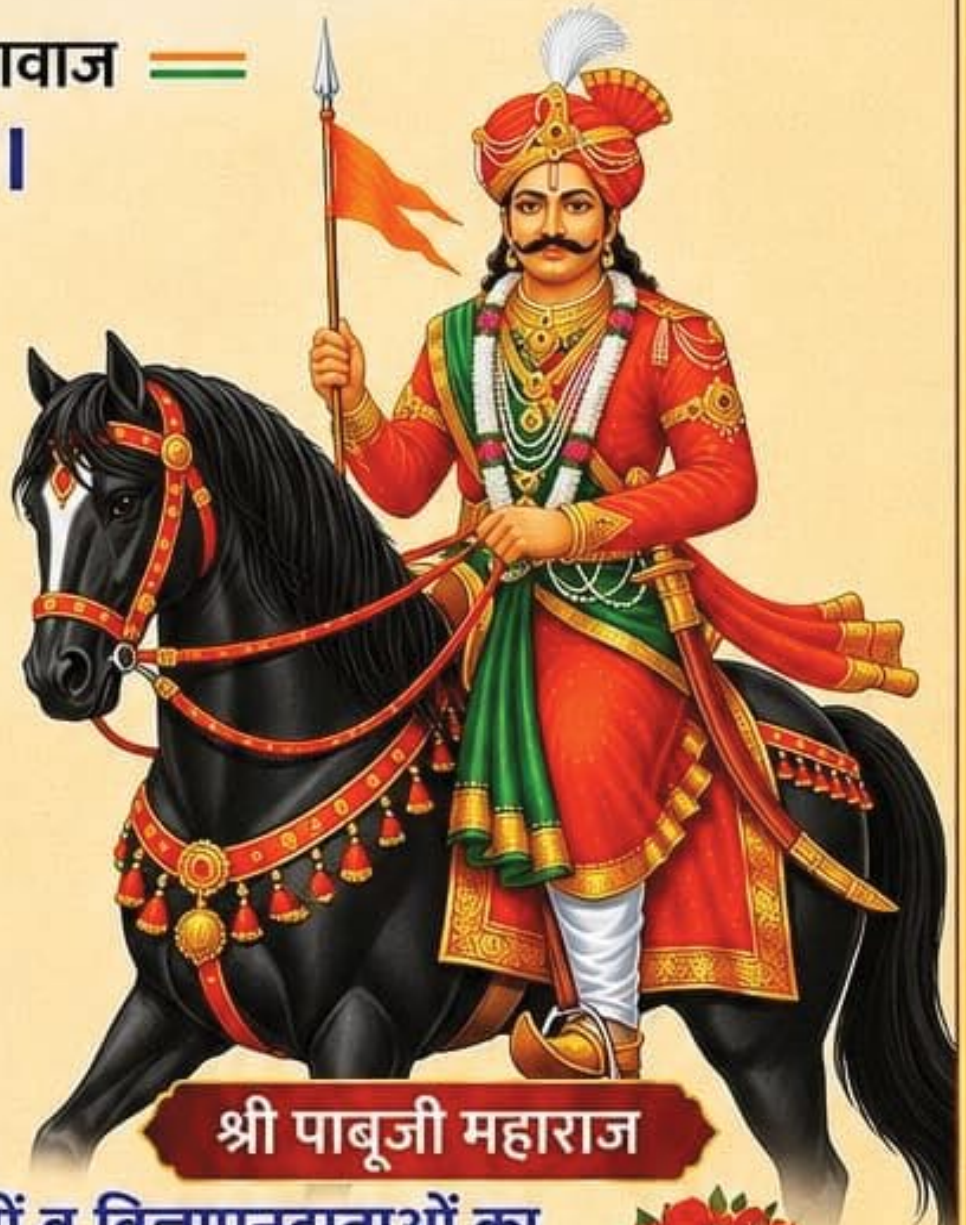

श्री पाबूजी महाराज

आप सभी पाठकों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व विज्ञापनदाताओं का

हार्दिक धन्यवाद!

हमारा संकल्प : सत्य, साहस और समाज के साथ

निवेदक
गोपाल नायक
(संपादक एवं प्रकाशक)

सच इंडिया नेटवर्क
सच के साथ, देश की आवाज

संपर्क करें
9982334499
sachindianetwork@gmail.com

आपका साथ... हमारी पहचान...

मुद्रितकर्ता: ताराचंद कुमावत। प्रकाशक: गोपाल नायक (स्वामी गोपाल नायक की ओर से)। मुद्रित स्थान: महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड, जयपुर – 302012 (राजस्थान)। प्रकाशित स्थान: 208, दौराई मोहल्ला, वार्ड नं. 7, मालपुरा, जिला टोंक – 304502 (राजस्थान)। संपादक: गोपाल नायक। पीआरजीआई पंजीयन संख्या: RJHIN/26/A6132 मो.: +91 9982334499, ई-मेल: sachindianetwork@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी: गोपाल नायक (संपादक)। सर्वाधिकार सुरक्षित। सभी विवादों का क्षेत्राधिकार टोंक (राजस्थान) न्यायालय होगा।